घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 320- मंगलवार 22- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सोनिया गांधी के वोटर विवाद में कोर्ट ने फैसला पलटा

नए सिरे से सुनवाई होगी,आरोप...1983 में नागरिकता मिली,1980 में मतदाता बनीं

नई दिल्ली,21 सितम्बर 2026। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ वोटर्स केस में मजिस्ट्रेट कोर्ट का एक साल पुराना फैसला पलट दिया। दरअसल 11 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट ने सोनिया के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के चलते एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। याचिका एडवोकेट विकास त्रिपाठी ने दाखिल की थी। आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि उन्होंने 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल की थी। शिकायत में कहा गया कि उनका नाम 1982 में मतदाता सूची से हटा दिया गया था और 1983 में दोबारा शामिल किया गया। आरोप था कि यह दोबारा दर्ज किया जाना भी 30 अप्रैल 1983 को नागरिकता हासिल करने से पहले हुआ था। मजिस्ट्रेट के आदेश में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) का पालन नहीं किया गया। इस धारा के तहत मजिस्ट्रेट किसी संज्ञेय अपराध की पुलिस जांच का आदेश दे सकता है।

ममता की नई पार्टी का लोगो 'फुटबॉल खिलाड़ी' लॉन्च

इसी पर उपचुनाव लड़ेगी...इससे पहले 2 पार्टियों को मिल चुका यही सिंबल...

कोलकाता,21 सितम्बर 2026। ममता बनर्जी गुट ने सोमवार को नई पार्टी 'ममता टीएमसी' का अस्थायी नया लोगो 'फुटबॉल खेलता खिलाड़ी' लॉन्च किया। इसके पहले यह चुनाव चिन्ह राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) और तेलंगाना की युगा तुलसी पार्टी को भी मिल चुका था। टीएमसी में टूट के बाद 17 सितंबर को चुनाव आयोग ने टीएमसी का ओरिजनल नाम और 'दो फूल-घास' सिंबल फ्रीज कर दिया था। इसके बाद ममता और बागी गुट अरूप रॉय को नई पहचान मिली। अरूप गुट को 'डेमोक्रेटिक टीएमसी' और 'लिफाफा' सिंबल दिया गया है। दोनों गुट 6 अक्टूबर को नंदीग्राम और रेजीनगर उपचुनाव नई पहचान के साथ लड़ रहे हैं।

रेजीनगर में टीएमसी के दोनों गुट आमने-सामने

नई पहचान की पहली सीधी चुनावी परीक्षा रेजीनगर सीट पर होगी। यहां दोनों तृणमूल गुट आमने-सामने हैं, जबकि नंदीग्राम में ममता गुट ने कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन दिया है। नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद चुनाव से नाम वापस ले लिया था। इसके बाद बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन दिया।

ममता बनर्जी ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी...

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के पुराने नाम और सिंबल फ्रीज करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उनकी याचिका पर तुरंत सुनवाई की तारीख तय करने पर सहमति जताई। विरोधी पक्ष को भी अपनी दलील रखने का मौका मिलेगा। यह कानूनी लड़ाई आगे चलकर पार्टी के मूल नाम और सिंबल का फैसला कर सकती है। हालांकि, इस फैसले का इंतजार किए बिना राजनीतिक अभियान चलाना शुरू कर दिया गया है।

फर्जी सिम जारी करने और आईएमईआई से छेड़छाड़ पर होगी कड़ी कार्रवाई

तीन वर्ष तक की कैद और 50 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान, नागरिकों को संचार साथी से मोबाइल कनेक्शन व हैंडसेट की जांच की सलाह

नई दिल्ली,21 सितम्बर 2026। दूरसंचार विभाग ने लोगों को फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी करने,दूरसंचार पहचान से जुड़ी चीजों के दुरुपयोग और मोबाइल उपकरणों के आईएमईआई नंबरों में छेड़छाड़ के खिलाफ आगाह किया है। विभाग ने कहा है कि ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत तीन वर्ष तक की कैद और 50 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। नागरिकों को अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों और हैंडसेट की नियमित जांच एवं सुरक्षा के लिए संचार साथी पोर्टल और मोबाइल ऐप का उपयोग करने की सलाह दी गई है। दूरसंचार विभाग के मध्य प्रदेश लाइसेंस सेवा क्षेत्र (एलएसए) ने फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी किए जाने के मामलों में कार्रवाई की है। हाल में हुई साइबर अपराध जांच के दौरान ऐसे मामले सामने आए, जिनमें छत्तीसगढ़ में एक प्वाइंट ऑफ सेल एजेंट ने लोगों की जानकारी या सहमति के बिना उनके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 25 मोबाइल कनेक्शन (सिम) अवैध रूप से सक्रिय किए थे। मामले की जानकारी सामने आने के बाद दूरसंचार विभाग और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने संबंधित पीओएस एजेंट के खिलाफ कार्रवाई की। उसे तत्काल काली सूची में डाल दिया गया और भविष्य में उसके माध्यम से मोबाइल कनेक्शन जारी करने पर रोक लगा दी गई। इन 25 मोबाइल कनेक्शनों की दूरसंचार विभाग के डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म पर जांच की गई। इनमें संदिग्ध पाए गए कनेक्शनों का पुनः सत्यापन कराया गया और सत्यापन में विफल रहने वाले नंबरों को निष्क्रिय कर दिया गया। दूरसंचार विभाग ने स्पष्ट किया है कि फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी करना, दूरसंचार पहचान से जुड़ी चीजों का दुरुपयोग करना और आईएमईआई नंबरों में छेड़छाड़ करना दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत दंडनीय अपराध है। विभाग के अनुसार, इन प्रावधानों का उद्देश्य दूरसंचार संबंधी धोखाधड़ी को रोकना, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और सुरक्षित एवं विश्वसनीय दूरसंचार व्यवस्था बनाए रखना है।

कर्नाटक विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने पूरा वंदे मातरम गाया

2 पैरा के बाद रोक दिया गया था,विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया

बेंगलुरु,21 सितम्बर 2026। कर्नाटक विधानसभा के 3 दिन के स्पेशल सेशन के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद हो गया। विधानसभा में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग सिर्फ दो पैराग्राफ के बाद रोक दी गई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध किया और बाकी के 4 पैरा खुद गाए। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने सूखे की स्थिति और पश्चिमी घाट से जुड़ी कस्तूरीरंगन रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है।

राज्य सरकार ने 2 पैरा का आदेश दिया है...

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा गाने का आदेश दिया है। इसी के तहत विधानसभा और विधान परिषद में रिकॉर्डिंग दो पैरा के बाद रोक दी गई थी। हालांकि,राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों में यह नियम लागू नहीं होगा।

कांग्रेस ने तय किया था...वंदे मातरम के दो पैरा गाए जाएंगे...

इसी साल 9 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया था कि सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के साथ 'वंदे मातरम' के सभी 6 पद गाए जाएं। इसके बाद 19 अगस्त को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने वंदे मातरम को लेकर 1937 के अपने प्रस्ताव का पालन करने का फैसला किया। इस प्रस्ताव के तहत पार्टी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल 2 पैरा जाते हैं।

2026 वंदे मातरम के अपमान पर कानून बना

24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। लंबे समय तक इसके अपमान पर कोई अलग कानून नहीं था, लेकिन 2026 के मानसून सत्र में केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम' बनाया। इस कानून के तहत 'वंदे मातरम' के गायन को जानबूझकर रोकने, इसमें बाधा डालने या इसका सार्वजनिक अपमान करने को दंडनीय अपराध माना गया है। ऐसा करने पर 3 साल तक की जेल,जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है।

मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबियाई चीता गौरव की मौत

भोपाल,21 सितम्बर 2026। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिला स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता प्रोजेक्ट के तहत नामीबिया से लाए गए चीते गौरव की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। कूनो प्रबंधन के मुताबिक गौरव की उम्र 10 साल से ज्यादा थी। कूनो पार्क प्रबंधन ने अपने बयान में इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि 12 सितंबर 2026 को नामीबिया चीते गौरव को कूनो के जंगल क्षेत्र में कमजोर और सुस्त अवस्था में देखा गया था। उसकी असामान्य स्थिति को देखते हुए वन विभाग की टीम ने तत्काल उसे रेस्क्यू किया और चिकित्सकीय निगरानी में लिया। प्रारंभिक जांच में गौरव काफी कमजोर पाया गया। उसके शरीर की मांसपेशियों में स्पष्ट कमी थी और वह गंभीर डिहाइड्रेशन से भी जूझ रहा था। इसके बाद उसे तत्काल उपचार और आवश्यक दवाएं दी गई। कूनो प्रबंधन के अनुसार, रेस्क्यू के बाद गौरव को पालपुर स्थित क्वारेंटाइन बोमा में शिफ्ट किया गया। यहां विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा था।

गिरफ्तारी की वजह नहीं बताई तो एक्शन गैरकानूनी कहलाएगा

दोबारा पकड़ने से पहले मजिस्ट्रेट की मंजूरी जरूरी,सुप्रीम कोर्ट ने तय किए नियम

नई दिल्ली,21 सितम्बर 2026। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे गिरफ्तारी की वजह लिखित में बताना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी गैरकानूनी मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसी गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति को रिहा कर दिया जाता है और जांच एजेंसी उसे दोबारा गिरफ्तार करना चाहती है, तो पुलिस सीधे उसे नहीं पकड़ सकती। इसके लिए पहले मजिस्ट्रेट से मंजूरी लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली गिरफ्तारी में नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच होगी। दोबारा गिरफ्तारी की स्थिति में मामले की आगे की जांच किसी दूसरे अधिकारी को सौंपी जाएगी।

जसरकरनजीत सिंह की गिरफ्तारी के मामले में कोर्ट ने दिया फैसला

कोर्ट ने ये टिप्पणियां शिरोमणि अकाली दल से जुड़े मुल्लांपुर दाखा विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी जसरकरनजीत सिंह की अपील पर कीं। नाबालिग से यौन अपराध के आरोपों से जुड़े मामले में उनकी गिरफ्तारी की वजह लिखित में नहीं बताई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी माना। सिंह ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसमें स्थानीय अदालत के उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताने और तत्काल रिहाई के आदेश पर रोक लगा दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला... गिरफ्तारी की वजह समझ आने वाली भाषा में लिखित देनी होगी

जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस अतुल चंद्रकुर की बेंच ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में और ऐसी भाषा में बतानी होगी,जिसे वह समझ सके। इसकी कॉपी भी उसे जल्द से जल्द देनी होगी। कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ कानूनी प्रक्रिया नहीं,बल्कि व्यक्ति का मौलिक और वैधानिक अधिकार है। इसका उल्लंघन होने पर गिरफ्तारी असंवैधानिक हो जाएगी और आरोपी को तत्काल रिहाई का अधिकार होगा।

दुश्मन की छाती पर उतरेंगे टैंक और तोपें

IAF को मिलेंगे 60 बाहुबली,C-130J सुपर हरक्यूलिस से भी तगड़ी ताकत

नई दिल्ली,21 सितम्बर 2026। दुश्मनों की हर नापाक हरकत को नेस्तनाबूद करने के लिए भारतीय वायुसेना अब अपनी आसमानी ताकत में महा-विस्फोट करने जा रही है। सरहदों पर चीन और पाकिस्तान की हर चालबाजी को धूल चटाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने करीब 1 लाख करोड़ रुपए के मेगा प्लान पर मुहर लगाने की तैयारी कर ली है। इसके तहत सोवियत दौर के पुराने पड़ चुके एएन-32 विमानों को हमेशा के लिए रिटायर कर उनकी जगह 60 बेहद घातक और आधुनिक मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (एमटीए) खरीदे जाएंगे। वियतनाम टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील न केवल भारतीय आसमान को अभेद्य बनाएगी, बल्कि भारत के घरेलू एयरोस्पेस इकोसिस्टम में ऐतिहासिक क्रांति लेकर आएगी। इस महापरियोजना के तहत 12 विमान सीधे उड़ने के लिए तैयार हालत में मिलेंगे,जबकि 48 भारी-भरकम विमानों का निर्माण सीधे 'मेक इन इंडिया' के तहत भारत की धरती पर ही किया जाएगा। यह फैसला विदेशी ताकतों पर निर्भरता खत्म कर देश को सैन्य शक्ति का महाबली बनाने की दिशा में सबसे करारा प्रहार माना जा रहा है।

केंद्र ने कुरुक्षेत्र आईटीआई क्लस्टर के लिए 320 करोड़ रुपये की निवेश योजना को दी मंजूरी

बेंगलुरु,21 सितम्बर 2026। केंद्र सरकार ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र आईटीआई क्लस्टर के लिए 320 करोड़ रुपये की रणनीतिक निवेश योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत सात सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा। परियोजना में जिंदल नवीन अवसर लिमिटेड उद्योग भागीदार के रूप में हरियाणा सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय संचालन समिति ने पीएम-सेतु योजना के तहत इस निवेश योजना को मंजूरी दी है। इसके साथ ही योजना के तहत स्वीकृत कुल निवेश बढ़कर 2,491 करोड़ रुपये हो गया है, जो देशभर के 10 आईटीआई क्लस्टरों में खर्च किया जाएगा। कुरुक्षेत्र क्लस्टर में राजकीय आईटीआई, कुरुक्षेत्र को हब संस्थान बनाया जाएगा। इसके साथ राजकीय महिला आईटीआई कुरुक्षेत्र, राजकीय आईटीआई कैथल, राजकीय महिला आईटीआई कैथल, राजकीय आईटीआई पिहोवा, राजकीय आईटीआई पबनावा और राजकीय महिला आईटीआई अंबाला सिटी को स्पोक संस्थानों के रूप में विकसित किया जाएगा। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि उद्योगों को आईटीआई के साथ जोड़ने से युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर तैयार होंगे।

पिथौरागढ़ में भारत-मंगोलिया सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' शुरू...

देहरादून, 21 सितम्बर 2026। भारत और मंगोलिया के बीच 18 वां संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' सोमवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में शुरू हुआ। 21 सितंबर से तीन अक्टूबर तक चलने वाले इस अभ्यास में दोनों देशों की सेनाओं के 45-45 जवान हिस्सा ले रहे हैं। देहरादून, उत्तराखंड की ओर से बताया गया कि वार्षिक प्लाटून स्तरीय यह अभ्यास भारत और मंगोलिया में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत अर्ध-शहरी और पर्वतीय क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए दोनों सेनाओं की संयुक्त क्षमता और अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान दोनों सेनाएं सामरिक स्तर के अभियानों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करेंगी। प्रशिक्षण में घेराबंदी एवं तलाशी अभियान, कक्ष गतिविधि अभ्यास, विशेष हेलीकॉप्टर अभियान, साइबर सुरक्षा तथा ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों के इस्तेमाल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सैनिकों को वास्तविक संचालन परिस्थितियों में संयुक्त प्रशिक्षण और अभ्यास का अवसर मिलेगा।

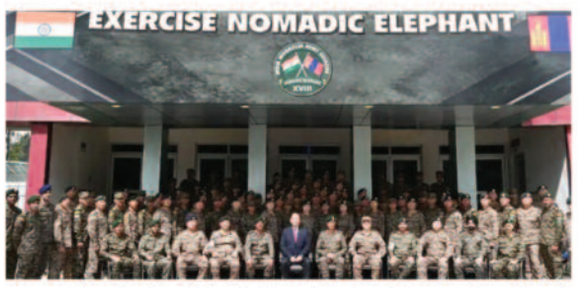

इससे दोनों सेनाओं के बीच समन्वय और संयुक्त रूप से अभियान संचालित करने की क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पिछला 'नोमैडिक एलिफेंट' अभ्यास मई-जून 2025 में मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित किया गया था।

मंगलुरु रेल क्षेत्र अब दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूर मंडल के अधीन होगा : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 21 सितम्बर 2026। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि मंगलुरु के रेल क्षेत्र को परिचालन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) के मैसूर मंडल के अधीन रखा जाएगा। पहले यह क्षेत्र तीन अलग-अलग रेलवे-दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के परिचालन क्षेत्र में बंटा हुआ था, जिससे ट्रेनों के संचालन में अनावश्यक देरी और समन्वय संबंधी समस्याएं आती थीं। वैष्णव ने केरलम् के सांसदों के साथ बैठक के बाद कहा कि मंगलुरु के रेल क्षेत्र को एक ही परिचालन क्षेत्र में लाने से अलग-अलग जोन के बीच इंटरचेंज संबंधी समस्याएं खत्म होंगी और ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारू एवं कुशल हो सकेगा। उन्होंने कहा कि केरलम् में रेलवे के विकास के लिए आवंटन 2014 में 372 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 3,795 करोड़ रुपये हो गया है। रेलवे के अनुसार, 2026-27 में केरलम के लिए आवंटन 2009-14 के औसत वार्षिक 372 करोड़ रुपये से 10 गुना से अधिक है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में बढ़े निवेश का असर जमीनी स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। इस अवधि में केरलम में छह बड़ी दोहरीकरण/गेज परिवर्तन परियोजनाएं पूरी की गई हैं,जिनकी कुल लंबाई 670 किलोमीटर है। इसके अलावा 131 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए गए हैं तथा राज्य के रेल नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। वैष्णव ने कहा कि केरलम में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाएं फिलहाल क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें नौ मल्टी-ट्रैकिंग/नई रेल लाइन परियोजनाएं,145 फ्लाईओवर एवं अंडरपास तथा 19 स्टेशनों का पुनर्विकास शामिल है। रेल मंत्री ने बताया कि केरलम में रेल क्षमता बढ़ाने के लिए छह रेल खंडों में तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए सर्वेक्षण चल रहा है।

इन खंडों की कुल लंबाई 800 किलोमीटर से अधिक है। इनमें शोरनूर-कोयंबटूर (99 किमी), मंगलुरु-शोरनूर (307 किमी),शोरनूर-एर्नाकुलम (106 किमी),एर्नाकुलम-कायमकुलम (115 किमी), कायम कुलम-तिरुवनंतपुरम (105 किमी) और तिरुवनंतपुरम-नागरकोइल (71 किमी) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण कई परियोजनाओं की प्रगति में महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है। केरल में विभिन्न परियोजनाओं के लिए कुल 618 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें से 78 हेक्टेयर यानी केवल 13 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हुआ है।

540 हेक्टेयर भूमि अभी हासिल की जानी बाकी है। रेलवे ने भूमि अधिग्रहण के लिए केरल सरकार को 1,976 करोड़ रुपये पहले ही जमा कर दिए हैं। भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण अंगमाली-सबरीमाला नई रेल लाइन समेत कुछ परियोजनाओं की गति प्रभावित हुई है।

संपादकीय

फूहड़ राजनीति

भारतीय राजनीति किस तरह फूहड़ होती जा रही है,इसका ताजा प्रमाण है इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में राहुल गांधी की ओर से मंच पर एक कॉमेडियन को बुलाकर प्रधानमंत्री का उपहास उड़ाना। इस दौरान प्रधानमंत्री की ओर से एक जनसभा में एक बुजुर्ग महिला को कुर्सी उपलब्ध कराने के प्रसंग का जिस तरह जिक्र किया गया, उसे मूर्खता और संवेदनहीनता के अतिरिक्त और कुछ कहना कठिन है।

आखिर एक सहज मानवीय व्यवहार का मजाक बनाने का क्या औचित्य? ऐसा तो कोई छिछली सोच वाला व्यक्ति ही कर सकता है। यह आश्चर्यजनक है कि छात्रों को संबोधित करते समय राहुल गांधी को अपने मंच पर एक कॉमेडियन के भोंडे कृत्य का सहारा लेना पड़ा। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि इस भोंडेपन में उन्होंने भी हिस्सेदारी की।

आखिर ऐसा करके वे छात्रों और युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं? ऐसा तो है नहीं कि छात्र यही देखना-सुनना चाहते हैं? यह सही है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे की नीतियों की आलोचना करते हुए उन पर कटाक्ष भी करते हैं,लेकिन इसकी भी अपनी एक सीमा और मर्यादा होती है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक जीवन और राजनीति की एक भाषा भी होती है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी प्रायः ही राजनीतिक मर्यादा और सामान्य शिष्टाचार की अनदेखी करना पसंद करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब उनके मंच से अथवा उनके द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति अमर्यादित भाषा का उपयोग किया गया हो। वे रह-रहकर ऐसा करते ही रहते हैं। इस क्रम में वे प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल करने में भी संकोच नहीं करते।

भले ही इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम में जो फूहड़ता हुई, उसका कांग्रेस नेता बचाव करने में जुट गए हैं,लेकिन उन्हें यह आभास होना चाहिए कि आम जनता इस तरह की फूहड़ता कभी पसंद नहीं करती। राहुल गांधी को इसका भी आभास होना चाहिए कि जब उनके द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति अशालीनता का प्रदर्शन किया जाता है तो पार्टी के अन्य छोटे-बड़े नेता और अधिक खराब भाषा का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं।

इन दिनों कांग्रेस की इंटरनेट मीडिया टीम की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति लगातार ऐसी सामग्री शेयर की जा रही है, जिसे रुचिपूर्ण नहीं कहा जा सकता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब किसी दल के शीर्ष और प्रभावी नेता को राजनीतिक शालीनता का परिचय देना चाहिए, तब वह स्वयं अपने समर्थकों को अशालीन भाषा का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर रहा है। स्पष्ट है कि वे जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं उन्हें भी उसी भाषा में जवाब देने का सिलसिला कायम होगा। इससे राजनीति और अधिक अरुचिपूर्ण और अप्रिय रूप में ही सामने आएगी।

गैंडा के अस्तित्व पर मंडराता संकट

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

प्रकाशनार्थः दैनिक घटती-घटना

बचपन में हाथी के बाद यदि किसी पशु ने मुझे सर्वाधिक आकर्षित किया था तो वह गैंडा ही था। पहले किताबों के पृष्ठों पर घास चरते हुए या फिर दौड़ते हुए गैंडे के चित्र ने मन तो मोहा ही साथ ही सवाल भी पैदा किया कि क्यों गैंडा के नाक के ऊपर सींग उगा है, सींग तो सिर पर होते हैं ? इतना भारी यह पशु कैसे दौड़ता होगा? इसकी खाल इतनी मोटी क्यों होती है? पर इन प्रश्नों के जो उत्तर मिले,वे संतुष्ट न कर सके थे। और जब छात्र जीवन में चिड़ियाघर में एक गैंडा को उसके बच्चे के साथ मैदान पर घास चरते देखा तो ढगा सा देखता रह गया। मैं विस्फारित नेत्रों से अपलक उसके सौंदर्य को निहारता रह गया। शिशु गैंड़ा और उसकी मां (या पिता भी हों) घास चरते-चरते कभी खेलने लगते तो कभी भी दौड़ पड़ते। मैं कंटीली बाड़ से सटा खड़ा उन दोनों को देखता रहा, वे कभी इतना निकट आ जाते कि मानों हाथ से छू लूं पर यह सम्भव न था। लेकिन मैं अपनी निगाहों से न केवल उनकी गतिविधियां देख रहा था बल्कि उनकी देह का स्पर्श भी कर रहा था। मेरे नयन ही मानो मेरे हाथ बन गये हों। हम यही कुछ पांच सहपाठी थे जो गैंडा के जीवन पर परस्पर बातें कर रहे थे, हालांकि उन सभी में मेरी जानकारी लगभग न के बराबर थी और उस बातचीत में मुझे कुछ खास रस नहीं मिल रहा था। मैं तो बस गैंडा को अपलक देखे जा रहा था और मेरी नज़र उसकी नाक के ऊपर उठे नुकीले सींग पर ठहर गयी थी। सहसा मेरे मानस पटल पर अतीत का एक दृश्य उभर उठा। गर्मियों में हमारे गांवों में कुछ घुमंतू जातियों के परिवार आते थे तो जड़ी-बूटियां बेचते थे। उनकी झोली में तमाम औषधियों के साथ बारहसिंगा,हिरण और गैंडा के सींग हुआ करते थे तथा हिरण की नाभि से उपजी कस्तूरी और हाथी दांत के टुकड़े भी। महिलाओं को अक्सर बारहसिंगा के सींग का छोटा टुकड़ा खरीदते देखा था मैंने,नवजात शिशुओं की पसली चलने पर सींग घिस कर लेप लगाते थे। पुरुष गैंडे के सींग,केसर और शिलाजीत खरीदते थे। तब मुझ जैसे तमाम बच्चों को किसी औषधि की कोई समझ नहीं थी,हम तो बस तमाशगीर थे जो उनके पीछे-पीछे चलते रहते थे। मैं अतीत के इस चलचित्र में खोया हुआ था कि सहसा एक बूढ़े की आवाज से ध्यान भंग हुआ। वह बूढ़ा शायद चिड़ियाघर के गैंडा वाले हिस्से की देखरेख हेतु नियुक्त कर्मचारी था। वह हमारे साथियों को बता रहे थे,गैंडे का सींग केराटिन नामक प्रोटीन से ऊतकों द्वारा बनता है,जो जीवन भर बढ़ता रहता है। गैंडा एक शाकाहारी पशु है जो घास,पत्तियां,फल और जलीय पौधे खाते हैं। यह लगभग शांत होते पर आक्रामक होने पर दूसरे की जान भी ले सकते हैं। गैड़ा 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से दौड़ लेते हैं। इनकी त्वचा 5-6 सेमी मोटी और कठोर होती है। प्रजनन के दौरान अक्सर मादा गैंडा चोटिल हो जाती हैं। गैंडा हाथी के बाद दूसरा भारी जानवर हैं जो सामान्यतः 2500 किलो तक होते हैं। 40-50 वर्ष जीने वाले इस स्थलीय स्तनधारी पशु गैंडा की विश्व में पांच प्रजातियां हैं जिनमें काला और सफेद नामक दो प्रजाति अफ्रीका में तथा शेष तीन इंडोनेशियाई जावन,सुमात्रन और बड़ा एक सींग वाला गैड़ा दक्षिण एशिया के देशों में निवास करते हैं,जिनमें भारत,नेपाल,भूटान,इंडोनेशिया,मलेशिया आदि प्रमुख हैं। भारत और जावा में एक सींग वाला गैंडा पाया जाता जिसकी 80 प्रतिशत संख्या असम के काजीरंगा और ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में है। करोड वर्षों से धरती पर लाखों की संख्या में विचरण करने वाला राजसी पशु गैंडा वर्तमान समय में विश्व भर में केवल 27000 ही बचे हैं,भारत में 4000 से अधिक हैं। मादा गैंडा का प्रजनन काल 15-16 महीने होता है और एक बच्चे को जन्म देती है। 3 से 5 वर्ष में एक बार बच्चा जनती है। चिंतनीय है कि तमाम कानूनों के बावजूद सींग और खाल के लिए गैंडों का अवैध शिकार किया जा रहा है। उस बूढ़े कर्मचारी की बातें सुनने के लिए उसे चारों ओर से घेरकर अन्य पर्यटक भी खड़े हो गये थे और उनमें से किसी ने पूछा था कि गैंडा का शिकार क्यों किया जाता है? उसने नीले आसमान की तरफ देखा और एक लम्बी ठंडी सांस ले बोलने लगा,मानव का अविवेक और अधिकाधिक बढ़ता लोभ-लालच। चीन और वियतनाम में सींग से दवा बनती है। मान्यता है कि ये दवा यौन कामोद्दीपक है। साथ ही सींग को ड्राइंग रूम में प्रदर्शित करना सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि का परिचायक बन गया है। खाल से ढाल और अन्य वस्तुएं बनाई जाती हैं। मनुष्य भूल गया है कि पशु-पक्षियों को भी इस दुनिया में रहने का अधिकार है। अरे, उन्हीं से तो यह दुनिया सुंदर है। बूढ़ा चुप हो एक पेड़ के तने का सहारा ले बैठ गया,उसकी आंखों में आंसू छलछला आए थे। पूरे वातावरण में मौन पसर गया था। सभी लोग दूसरे बाड़ों की ओर बढ़ गये थे।

पिछले दिनों जब मैं यह लेख लिख रहा था तो मुझे लगा कि पाठकों की सुविधा के लिए विश्व गैंडा दिवस के इतिहास के पृष्ठों को पलटूं। विश्व में गैंडा के अवैध शिकार,घटते पर्यावास, अंधविश्वास और जागरूकता के अभाव के कारण गैंडा के अस्तित्व पर मंडराते संकट को दृष्टिगत कर विश्व वन्यजीव कोष-दक्षिण अफ्रीका द्वारा वर्ष 2010 में गैंडों के संरक्षण हेतु एवं अवैध शिकार के विरुद्ध जन जागरूकता के प्रचार-प्रसार और घटते प्राकृतिक आवास के बचाव हेतु प्रत्येक वर्ष 22 सितम्बर को विश्व गैंडा दिवस मनाने की घोषणा की थी और वर्ष 2011 से वैश्विक स्तर पर सरकारों, गैर सरकारी संगठनों,चिड़ियाघरों और विद्यालयों द्वारा यह दिवस मनाया जाने लगा है। सरकारों द्वारा समुचित कानून बनाने,गैंडा अभयारण्य विकसित करने और आम जन की जागरूकता से गैड़ा संरक्षण का पिछले दशक में कार्य उल्लेखनीय है। प्राकृतिक पर्यावास में विस्तार हुआ है,नूतन शोध एवं अनुसंधान तथा देख-रेख की दिशा में कदम बढ़े हैं। प्रकृति संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ द्वारा जारी रेड डेटा बुक में गैंडा को संवेदनशील खतरे वाले वर्ग में रख गैंडा बचाने हेतु ठोस प्रयास करने का आह्वान किया है। इसीलिए वर्ष 2019 में भारत सहित इंडोनेशिया, भूटान, नेपाल और मलेशिया ने एशियाई गैंड़ों पर नई दिल्ली घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर गैंडा संरक्षण लिए आवश्यक उपाय करने एवं संसाधन जुटाने हेतु प्रयत्न आरम्भ किए हैं। प्रत्येक वर्ष का आयोजन एक थीम पर होता है। वर्ष 2026 की थीम है- पांचों प्रजातियों को जीवित रखें। निश्चित रूप से गैंडा जंगल का एक खूबसूरत प्राणी है। पारिस्थितिकी संतुलन,प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक जीवन में गैंडा की अहम भूमिका है। भारत सरकार ने गैंडा पर 1 अक्टूबर,1962 को 15 नये पैसा का एक डाक टिकट जारी किया है। धीरे-धीरे ही सही, पर गैंडों की बढ़ रही संख्या उम्मीद जगाती हैं कि हमारे जंगलों का रहवासी यह सुंदर बलशाली गैंडा आनंदपूर्वक विचरण करता रहेगा।

लोरी मासूम थी,शायद हमारी नजर बड़ी हो गई

मासूम लोरी को हमारी नजर ने आईना बना दिया
जिस गीत में पीढ़ियाँ सोईं,उसमें आज सवाल जाग उठा

प्रो.आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

भाषा केवल शब्दों की गठरी नहीं होती;वह समय की स्मृति,समाज की संवेदना और पीढ़ियों की साझा सांस होती है। 'चंदा मामा दूर के,पूए पकाए बूर के' इसी जीवित परंपरा का गीत है,जिसे न जाने कितनी नानी-दादियों ने बच्चों को थपकी देते हुए गाया और कितनी पीढ़ियों ने चाँद को अपना मामा मानकर आँखें मूंद लीं। अब उसी लोरी के 'बूर' शब्द पर आपत्ति उठ रही है। प्रश्न यह नहीं कि किसी शब्द का आज कोई दूसरा अर्थ निकाला जा सकता है या नहीं,प्रश्न यह है कि क्या आज की दृष्टि से कल की मासूमियत को कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए? यदि किसी शब्द की वर्तमान व्याख्या बदल गई है,तो क्या उसके साथ सदियों की स्मृति भी बदल दी जाए?

भाषा का सबसे बड़ा सौंदर्य यही है कि एक ही शब्द में कई अर्थों की संभावनाएं सँजोए रहती हैं। संदर्भ बदलते ही अर्थ का रंग बदल जाता है। 'कली', 'फूल', 'नदी', 'बूर' जैसे शब्द अलग संदर्भों में अलग अर्थ ग्रहण कर सकते हैं,लेकिन बच्चों की कविता का संसार अलग है। वहाँ चंदा मामा सचमुच मामा हैं, पूए सचमुच पूए हैं और 'बूर' भी उसी घरेलू,खाद्य और लोक-प्रचलित संदर्भ में समझा जाता रहा है। किसी शब्द को उसके मूल संदर्भ से निकालकर आधुनिक द्विअर्थी चश्मे से देखना भाषा की गलती नहीं,हमारी दृष्टि का परिवर्तन है। लोरी में अश्लीलता खोजने से पहले यह देखना होगा कि वह वहाँ थी भी या हमने बाद में उसमें डाल दी।

विडंबना यह है कि जिस समय समाज की मुख्यधारा में जानबूझकर उत्तेजक भाषा धड़ल्ले से परोसी जा रही है, हमारी चिंता एक पुरानी लोरी के शब्द पर ठहर गई है। फिल्मों के संवाद,गीतों के बोल,इंटरनेट के मीम्स और स्टैंड-अप कॉमेडी में ऐसे शब्द और संकेत लगातार सामने आते हैं,जिनका उद्देश्य चौंकाना,उत्तेजित करना या हँसी के नाम पर अभद्रता को सामान्य बनाना होता है। वहां उनका आशय भी स्पष्ट होता है। ऐसे में पारंपरिक बालगीत के एक शब्द को उसी तराजू पर तौलना नैतिकता की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। चिंता वहां होनी चाहिए,जहां अश्लीलता इरादतन रची जा रही है,न कि वहां जहां पीढ़ियों से मासूमियत सांस लेती आई है।

द्विअर्थी शब्द किसी एक भाषा की बीमारी नहीं हैं। लगभग हर भाषा में ऐसे शब्द हैं,जिनके अर्थ संदर्भ,समय,क्षेत्र और प्रयोग के साथ बदलते रहे हैं। समस्या तब होती है,जब हम किसी पुराने शब्द को उसके सांस्कृतिक परिवेश से काटकर केवल आज की संवेदना के आईने में देखने लगते हैं। बच्चे जब 'चंदा मामा'सुनते हैं तो उनके मन में चाँद,मामा और पूए की प्यारी तस्वीर बनती है;वहाँ किसी वयस्क संकेत की जगह नहीं होती। यदि कोई वयस्क उस मासूम संसार में दूसरा अर्थ खोजता है तो दोष शब्द का नहीं हो सकता। बच्चों की दुनिया को वयस्क मानसिकता से पढ़कर कविता बदल देना भाषा सुधारना नहीं, अपनी दृष्टि की सीमा रचना पर थोपना है।

लेकिन यदि आज एक शब्द असुविधाजनक लग रहा है तो कल कितने शब्दों की बारी आएगी? क्या लोकगीतों के मुहावरे,कहावतों और पुराने कवियों के शब्द भी आज की कसौटी पर छांटे जाएंगे? कबीर,तुलसी और मीरा की रचनाओं में भी ऐसे शब्द, बिंब और संदर्भ हैं जिन्हें आज का पाठक अलग तरह से देख सकता है। क्या हर पीढ़ी अपनी सुविधा के अनुसार पुरानी रचनाओं को संपादित करती चले? संस्कृति नदी की तरह बहती है;उसमें समय का पानी मिलना स्वाभाविक है, लेकिन उसे बचाने के नाम पर उसका उद्गम मिटा देना समझदारी नहीं। विरासत का अर्थ हर पुरानी चीज को पूजनीय मानना नहीं,बल्कि उसे उसके समय और संदर्भ के साथ समझना है।

इस विवाद का दूसरा पहलू अधिक महत्वपूर्ण है...हम बच्चों को भाषा समझाना चाहते हैं या उससे बचाना? शिक्षा का काम ऐसे शब्द चुनना नहीं, जिनमें गलत अर्थ की कोई संभावना न हो;बल्कि यह सिखाना है कि शब्द का अर्थ संदर्भ से बनता है। संस्कार शब्द काटकर नहीं,अर्थ समझाकर बनते हैं। किसी पुराने शब्द का अर्थ आज बदल गया हो तो बच्चों को उसका संदर्भ समझाया जा सकता है और जरूरत हो तो पाठ्य-सामग्री में टिप्पणी दी जा सकती है। हर असुविधाजनक शब्द हटाना आसान रास्ता है,लेकिन यह सांस्कृतिक रूप से हमेशा सुरक्षित नहीं। शब्द हटाने से समस्या खत्म नहीं होती,कई बार वह अगली समस्या का रास्ता खोल देती है।

असल सवाल इसलिए'बूर' का नहीं, हमारी दृष्टि का है। क्या हम हर पुराने शब्द को वर्तमान पूर्वाग्रहों की अदालत में पेश करेंगे या उसके समय,संदर्भ और लोक-स्मृति को भी सुनेंगे? किसी रचना पर असहमति होना स्वाभाविक है और भाषा समय के साथ बदलती भी है,लेकिन परिवर्तन और विलोपन एक ही बात नहीं। चंदा मामा की लोरी को बचाए रखने का अर्थ यह नहीं कि हम भाषा को स्थिर कर दें;इसका अर्थ केवल इतना है कि परिवर्तन की प्रक्रिया में स्मृति को अपराधी न बनाया जाए। जो समाज अपनी लोरियों से शर्माने लगे, वह धीरे-धीरे अपनी स्मृतियों से भी असहज होने लगता है।

किसी लोरी की पंक्ति पर ठहर जाना आसान है,उसके पीछे चली आ रही पीढ़ियों की स्मृति को समझना कठिन। यदि चिंता बच्चों के मानसिक संसार की है तो उस सामग्री पर ध्यान देना होगा, जिसमें अश्लीलता, उत्तेजना और अभद्रता जानबूझकर परोसी जा रही है। वहां सामाजिक जिम्मेदारी और अभिभावकीय सजगता जरूरी है। लेकिन जिस लोरी ने पीढ़ियों को चाँद से रिश्ता सिखाया,उसे आज की नजर के संदेह से क्यों देखा जाए? समय बदले,भाषा बदले,शब्दों के अर्थ बदलें...यह स्वाभाविक है। मगर विरासत की हर पंक्ति को बदलती दृष्टि के हवाले कर देंगे तो एक दिन हमारे पास लोरियां तो होंगी,उनकी वह मासूम दुनिया नहीं,जिसमें पीढ़ियाँ पलती रही हैं।

सांड टंकी पर और व्यवस्था नीचे मुस्तैद

संजय एम तराणेकर,इन्दौर,मध्यप्रदेश

ज़नाब अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए या उसका समाधान खोजने के लिए सिर्फ मनुष्य ही नहीं जानवर भी आजकल टंकी पर चढ़ने का कार्यक्रम करने लगे हैं हालांकि यह उनके लिए रिस्की है। यह तो अच्छा हुआ कि वह टंकी जर्जर नहीं थी। अन्यथा कुछ का कुछ हो जाता। पानी की टंकी पर सिर्फ शोले फ़िल्म के वीरु का बसंती को पाने के लिए चढ़ना सबको आज भी याद है। पानी की टंकी पर मानव मात्र के चढ़ने का एकाधिकार अब खत्म हो गया है। लेकिन कभी-कभी मूक प्राणी भी अपने मन की करते हैं,यह बात अलग है कि वह हमको समझ में नहीं आता और न आएगा। अब यह तो मूक प्राणियों की भाषा समझने वाला ही बता सकता है कि सांड टंकी पर क्यों चढ़ा? श्योपुर के ददूनी गांव में एक सांड 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर जा चढ़ा। नीचे गांव वाले खड़े थे,ऊपर सांड था और बीच में एक ऐसा सवाल था—अब इसे नीचे कौन उतारेगा?

असल में सांड को शायद नीचे की दुनिया से कुछ शिकायत रही होगी। सोचा होगा-जब सबको ऊपर जाने की इतनी जल्दी है,तो मैं भी देखूं कि ऊपर पहुंचकर कैसा लगता है! लेकिन ऊपर पहुंचने के बाद उसे पता चला कि ऊंचाई हासिल करना आसान है,वापसी की व्यवस्था थोड़ी मुश्किल है। यारों 42 घंटे तक सांड टंकी पर डटा रहा। नीचे लोग तमाशा देखते रहे, सलाह देते रहे और उम्मीद करते रहे कि सांड खुद समझदारी दिखाएगा। सांड ने भी शायद तय कर लिया था कि जब मामला इतना चर्चित हो गया है,तो अब बिना सरकारी इंतजाम के नीचे क्यों? उतरूं?

आखिरकार पुलिस,पशुपालन विभाग और प्रशासन की टीम पहुंची। क्रेन मंगाई गई और करीब दो घंटे के ऑपरेशन के बाद सांड को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक दिलचस्प बात यह रही कि सांड ऊपर था, लेकिन असली परीक्षा नीचे खड़े तंत्र की हो रही थी। लोकतंत्र में भी कुछ ऐसा ही है। कोई समस्या छोटी हो तो लोग उसे नजरअंदाज कर देते हैं। समस्या थोड़ी बड़ी हो जाए तो चर्चा शुरू होती है। अपनी तो इतनी ऊंचाई सुनकर ही पुंगी बज जाती है। जब वह 60 फीट ऊपर चढ़ जाए, तब बैठक, निरीक्षण, टीम, योजना और ऑपरेशन सब शुरू हो जाते हैं।हालांकि यह भी मानना पड़ेगा कि प्रशासन ने आखिरकार मोर्चा संभाला और सांड को सुरक्षित नीचे उतार लिया।

यानी व्यवस्था पूरी तरह बेबस भी नहीं है-बाबू,कुछ भी कहो मुस्तेदी बड़ी जबरदस्त है। बस कभी-कभी उसे समस्या की ऊंचाई देखकर अपनी ऊंचाई तय करनी पड़ती है। इस सांड के रेस्क्यू ने एक और राजनीतिक-सा, मगर गैर-दलीय संदेश दिया-ऊपर पहुँच जाना उपलब्धि हो सकती है,लेकिन नीचे सुरक्षित लौटाना असली प्रबंधन है।भइये सांड अब जमीन पर है। टंकी खाली है। क्रेन वापस जा चुकी है। गांव वालों की चिंता भी खत्म हो गई। लेकिन इस घटना ने एक मजेदार सवाल जरूर छोड़ दिया हैं,अगर एक सांड को 60 फीट की ऊंचाई से नीचे उतारने में 42 घंटे लग सकते हैं,तो जो समस्याएं वर्षों से व्यवस्था की ऊंची टंकियों पर बैठी हैं, उनके लिए क्रेन कब आएगी? फिलहाल सांड ने तो अपना काम कर दिया। वो ऊपर चढ़ा,सबका ध्यान खींचा और सुरक्षित नीचे भी आ गया।

खाली कटोरी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र के भव्य सभागार के बाहर कंक्रीट के गोल चबूतरे पर पचहत्तर साल के मंगत राम हर दोपहर बारह बजे आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में पीतल की एक पुरानी खाली कटोरी होती थी जिसे वे अपनी मैली धोती के छोर से बार-बार पोंछते रहते थे। आज तेईस अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के बड़े उत्सव के मौके पर जब सुरक्षाकर्मी ने उन्हें गेट पर देखा तो चाय का कुल्हड़ मेज़ पर रखते हुए ठहाका लगाकर कहा कि बाबा जब आज पूरा देश चांद पर पहुंचने का जश्न मना रहा है और बड़े-बड़े वैज्ञानिक आ रहे हैं तो इस पुरानी खाली कटोरी को रोज़ अपनी छाती से चिपकाकर यहाँ क्या भीख मांगने का नया तमाशा खड़ा करते हो। मंगत राम अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को ठीक करते और बहुत धीमी आवाज में मुस्कुराकर कहते कि बेटा यह खाली कटोरी केवल पीतल का बेजान बर्तन नहीं है बल्कि इस पूरे चमकते हुए विज्ञान की वो जमीनी हकीकत है जिसे तुम्हारे ये बड़े-बड़े रॉकेट कभी आसमान से नहीं देख पाएंगे। आसपास खड़े तमाम मुंशी और शोधार्थी उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बुढ़ापे में दादा की मति मारी गई है जो अंतरिक्ष दिवस के गौरवशाली दिन पर एक पीतल की कटोरी लेकर पूरे तंत्र से उलझने चले आए हैं। मंगत राम किसी की बात का तनिक भी बुरा माने बिना उस कटोरी की तली को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप वीआईपी गाड़ियों के आने का इंतज़ार करते रहते थे। सभागार के सभी कर्मचारी मंगत राम की इस मूक उपस्थिति से पूरी तरह वाकिफ थे और उन्हें एक सनकी बुजुर्ग मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। दफ्तर का बड़ा बाबू जब भी वैज्ञानिकों के स्वागत के लिए फूलों के गुलदस्ते लेकर मुख्य द्वार की तरफ बढ़ता तो मंगत राम बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और हाथ जोड़कर कहते कि बाबू जी क्या आज उस विशेष राहत और पेंशन वाले कागज़ पर साहब के दस्तखत हो गए। बाबू गुस्से में फाइलें पटकते हुए डांटकर कहता कि अरे बाबा जब तक उपग्रह डेटा से तुम्हारी जमीन का सत्यापन पूरा नहीं होगा और भोपाल मुख्यालय से रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक कागज़ आगे नहीं बढ़ेगा और तुम इस खाली कटोरी को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटते रहोगे। मंगत राम बिना किसी प्रतिवाद के वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जाते और उस कटोरी को अपनी हथेली पर घुमाने का निरर्थक प्रयास करने लगते थे जो हर बार लड़खड़ाकर गिर जाती थी।

दीपक की लौ और हमारी सांस्कृतिक संवेदना

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना,उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना—लोक तांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उपहास तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं।

भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा,शुभता,ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है।

इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है :-

दीपो ज्योति परं ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते॥

अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्ज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं,बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है।

इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं,बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता है,तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए,उसमें भागीदारी स्वैच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है।

यहीं राजनीतिक आयोजन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है,तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका,खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बहस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह,यदि कोई व्यक्ति राज नीतिक आयोजन का विरोध करता है,तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा।

आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है—व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं,लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है।

जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा का उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है। दूसरी ओर,भारतीय धार्मिक परंपरा में दीपक को शुभता और प्रकाश का प्रतीक मानने वाले लोग इसे अलग दृष्टि से देखते हैं। दोनों परंपराओं के सांस्कृतिक संदर्भ अलग हैं। इसलिए किसी एक को अपनाने या दूसरे से दूरी रखने को अपने आप में किसी व्यक्ति की देशभक्ति या संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण नहीं बनाया जाना चाहिए।

फिर भी एक विचारणीय प्रश्न अवश्य है...क्या हम अपनी संस्कृति से जुड़े प्रतीकों के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं,जितनी संवेदनशीलता हम दूसरे सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए अपेक्षित करते हैं? यदि कोई व्यक्ति दीपावली पर दीप नहीं जलाना चाहता,उसे ऐसा करने की स्वतंत्रता है। लेकिन यदि कोई दूसरा व्यक्ति पूरे श्रद्धाभाव से दीप जलाता है, तो उसकी आस्था का उपहास क्यों किया जाए? इसी तरह यदि कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक कार्यक्रम में दीप जलाकर सहभागिता करता है,तो उसकी आलोचना कार्यक्रम के राजनीतिक पक्ष पर होनी चाहिए,उसकी धार्मिक आस्था पर नहीं।राजनीतिक बहस में पूर्व प्रधानमंत्रियों या दूसरे नेताओं के जन्मदिन समारोहों और कथित सरकारी खर्चों के उदाहरण भी दिए जाते हैं। ऐसे आरोपों को प्रमाणित करने के लिए संबंधित वर्ष,खर्च और आधिकारिक दस्तावेज सामने रखना आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या पूर्व सरकार पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाना उचित नहीं है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
सम्पादक

गणपति स्थापना समिति ने 'गणपति सुविधा ऐप' का किया शुभारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति ट्रस्ट द्वारा हाथी पखना स्थित गणपति धाम में भगवान गणेश की महा आरती से पूर्व सामाजिक पहल करते हुए नागरिकों एवं नियोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न विधाओं के कुशल एवं अनुभवी श्रमिक सुविधाजनक रूप से उपलब्ध हो,इसके लिए गणपति स्थापना समिति ने 'गणपति सुविधा ऐप' का शुभारंभ किया। गणपति सुविधा ऐप को लोकार्पित करने से पूर्व आयोजित समारोह में ऐप के तकनीकी विशेषज्ञों एवं एल ई डी के माध्यम से इसकी उपयोगिता के रूप में कामगारों को रोजगार और जरुरतमंद लोगों को कामगार पूर्ति की जानकारी दी गई,इस अवसर पर गणपति समिति के वरिष्ठ संरक्षक भारत सिंह ने कहा कि यह ऐप पूर्णतः सुरक्षित रहेगा और कामगारों के रजिस्ट्रेशन के लिए ऐप में एक आसान फॉर्म उपलब्ध होगा,जिसमें वह अपना नाम मोबाइल नंबर काम का प्रकार और अपना पता दर्ज कर सकेगा,जिसके कारण जरूरतमंद व्यक्ति अपने इलाके और आवश्कता के अनुसार कामगारों को ढूँढ पाएगा । उन्होंने बताया कि विशेष रूप से इलेक्ट्रीशियन,प्लम्बर,कारपेंटर,मैकेनिक,पेंटर,पुट्टी मिस्तरी,राजमिस्त्री,मजदूर,रेज़ा,वेंडर,फैब्रिकेटर,सेंट्रिंग मिस्त्री,ट्रेक्टर हार्वेस्टर चालक,कृषि श्रमिक,ऑटो टैक्सी कार ड्राइवर,ऑटो मोबाइल ,पंचर मिस्तरी,घरेलू सहायिका,धोबी,नाई,ब्यूटीशियन,सुरक्षा गार्ड , रसोइया,टेंट संचालक फोटो ग्राफर जैसे अन्य क्षेत्रों के कामगारों की सेवा के लिये यह ऐप सहयोग करेगा और यह पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। गणपति धाम के सदस्य नरेंद्र सिंह टुटेजा ने कहा कि ऐप के सुरक्षा और गोपनीयता के लिए इसमें ओटीपी वेरिफिकेशन का भी प्रावधान होगा,ट्रस्ट की जिम्मेदारी केवल कामगार का नंबर उपलब्ध कराना रहेगा,पूरे ऐप को अनेक चरणों में मजबूत और व्यावहारिक बनाने का प्रयास जारी रहेगा । इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष ,निलेश सिंह,शैलेश सिंह शैलू,रूपेश दुबे,अविनाश मंडल एवं तकनीकी टीम के नवप्रीत सिंह चावला,विनय पांडेय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

शासन के आदेश के बावजूद व्याख्याता को मूल पदस्थापना पर नहीं भेजने का आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
जिला शिक्षा कार्यालय में संलग्न व्याख्याता को शासन के निर्देश के अनुसार मूल पदस्थापना स्थल पर भेजने के बजाय दूसरे स्कूल में कार्यमुक्त किए जाने का मामला सामने आया है। आरटीआई कार्यकर्ता परवेज आलम गांधी ने संयुक्त संचालक,लोक शिक्षण सरगुजा संभाग को शिकायत देकर मामले की जांच कराने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार व्याख्याता (गणित) संतोष साहू की मूल पदस्थापना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा, जिला सूरजपुर में है। आरोप है कि लोक शिक्षण संचालनालय के 25 जून 2026 के आदेश और स्कूल शिक्षा मंत्री की 23 जून की समीक्षा बैठक में दिए निर्देशों के तहत संलग्न शिक्षकों को उनके मूल पदस्थापना स्थल पर भेजा जाना था।

इसके बावजूद संतोष साहू को मूल विद्यालय भेजने के बजाय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय,सरगुजा से स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय केशवपुर में कार्यमुक्त किए जाने की कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ता ने कहा है कि संतोष साहू के प्रतिनियुक्ति आदेश में उनकी मूल पदस्थापना वाले जिले सूरजपुर के स्थान पर सरगुजा अंकित किया गया है। इसे उन्होंने गंभीर प्रशासनिक त्रुटि बताते हुए इसकी जांच की मांग की है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस त्रुटि के आधार पर उन्हें मूल पदस्थापना स्थल भेजने के बजाय जिले में ही बनाए रखने का प्रयास किया गया।

गिरने के बद परिजन वृद्ध का करा रहे थे झाड़-फूंक,हो गई मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
जशपुर जिले के ग्राम गुरम्हाकोना में दातुन करने के दौरान एक वृद्ध गिर गया था। परिजन उसे इलाज कराने के बजाए गांव में झाड़-फूंक करा रहे थे। तबियत बिगडने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गजेन्द्र राम उम्र 61 वर्ष बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम गुरमहाकोना का रहने वाला था। वह 19 सितंबर की सुबह घर के पास दातुन कर रहा था। तभी वह गिर गया। परिजन उसे इलाज कराने के बजाए गांव में झाडफूंक करा रहे थे। तबियत बिगडने पर उसे 20 सितंबर को बगीचा अस्पताल ले गए। वहां से रेफर करने पर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

व्यापार के नाम पर 4.80 करोड़ की ठगी,आरोपी गिरफ्तार

2.08 करोड़ रुपए नहीं लौटाने का आरोप,धर्मकांटा और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के नाम पर भी ली रकम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
व्यापार में निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से 4 करोड़ 80 लाख 50 हजार रुपए लेने और करीब 2 करोड़ 8 लाख 50 हजार रुपए वापस नहीं करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी सुजीत जायसवाल (48) को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर धर्मकांटा और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के नाम पर भी रकम लेने और जमीन की रजिस्ट्री नहीं कराने का आरोप है। शिकायतकर्ता के अनुसार, बकाया रकम मांगने पर आरोपी ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी की आरोपी से पूर्व परिचित थी। आरोपी सुजीत जायसवाल गोधनपुर स्थित वसुंधरा बिहार रोड निवासी है और प्रतीक स्टील ट्रेडर्स का

संचालन करता है। आरोप है कि आरोपी ने व्यापार करने की बात कहकर प्रार्थी से रकम की मांग की। प्रार्थी ने 13 अगस्त 2021 से 25 नवंबर 2022 के बीच अलग-अलग समय में कुल 4 करोड़ 80 लाख 50 हजार रुपए दिए। बाद में रकम वापस मांगने पर आरोपी ने 2 करोड़ 72 लाख रुपए लौटा दिए, लेकिन शेष 2 करोड़ 8 लाख 50 हजार रुपए वापस नहीं किए। इसके अलावा धर्मकांटा और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराने का झांसा देकर भी रकम लेने का आरोप है। शिकायतकर्ता के मुताबिक न तो जमीन की रजिस्ट्री कराई गई और न ही संबंधित रकम वापस की गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि बकाया रकम वापस मांगने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 318(4), 296, 351(3) और 316(5) के तहत जांच शुरू की।

पूछताछ में ठगी करना स्वीकार करने का पुलिस का दावा : मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने कोतवाली पुलिस को आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। विवेचना के दौरान पुलिस ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया और आरोपी सुजीत जायसवाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने व्यापार के नाम पर रकम लेकर ठगी करना स्वीकार किया।

मामले में पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी उप निरीक्षक अखिलेश सिंह,साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा,एएसआई विवेक पाण्डेय,एएसआई अदीप प्रताप सिंह सहित आरक्षक एहसान फिरदौशी, अशोक यादव,रमेश राजवाड़े,संजीव चौबे और देवेंद्र पाठक की भूमिका रही।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

स्कूल जाने निकली थी बालिका,देर शाम तक घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने दर्ज कराई रिपोर्ट;

-संवाददाता-
लखनपुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
स्कूल जाने के लिए घर से निकली नाबालिग के लापता होने के मामले में लखनपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता के परिजन ने 28 अगस्त 2026 को थाना लखनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया गया कि नाबालिग बालिका सुबह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला।

रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने नाबालिग की तलाश शुरू की। आसपास के क्षेत्रों और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी गई। पुलिस को सूचना मिली कि नाबालिग आरोपी महेश मिंज के कब्जे में है। टीम ने आरोपी के कब्जे से नाबालिग को बरामद कर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि आरोपी महेश मिंज उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

आरोपी ने पूछताछ में अपराध स्वीकार किया : पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने अपना नाम महेश मिंज,उम्र 22 वर्ष, निवासी चुंकनडांड सेमरपारा,थाना लखनपुर,जिला सरगुजा बताया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने नाबालिग को अपने साथ ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने की घटना स्वीकार की। मामले में पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर उप निरीक्षक संपत पोर्ते, सहायक उप निरीक्षक निर्मला कश्यप, सहायक उप निरीक्षक मनीष तिवारी, आरक्षक जगेश्वर बघेल और राजेंद्र लकड़ा की भूमिका रही।

सेवा संकल्प के तहत नशा मुक्ति परामर्श ओपीडी संचालित,तंबाकू निषेध की दिलाई शपथ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अंबिकापुर में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत नशा मुक्ति परामर्श एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अस्पताल परिसर में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या के निर्देशन और सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संटू बाघ की उपस्थिति में पंजीयन कक्ष के समीप निःशुल्क नशा मुक्ति परामर्श के लिए ओपीडी संचालित की गई। वहीं मानसिक रोग से पीड़ित मरीजों को मानसिक स्वास्थ्य ओपीडी में आवश्यक काउंसलिंग भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर में तंबाकू, गुटखा और धूम्रपान का सेवन प्रतिबंधित होने की जानकारी दी गई।

कोटपा अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए लोगों से नशे की आदत छोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई।

उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति और तंबाकू निषेध की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन डॉ. अविनाशी कुजूर,उप अस्पताल अधीक्षक डॉ. बीआर सिंह, कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. आभा एक्का सहित वरिष्ठ चिकित्सक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनुकंपा नियुक्ति के दौरान शासकीय नौकरी की छिपाई थी बात सहायक ग्रेड-3 निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बतौली में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 सीमा कुशवाहा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई मैनपाट विकासखंड से प्राप्त शिकायत और प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। जांच समिति ने सीमा कुशवाहा की नियुक्ति से संबंधित मूल अभिलेख, आवेदन, शपथपत्र, पारिवारिक विवरण और सेवा अभिलेखों का परीक्षण किया। जांच के अनुसार,स्व. चंद्रिका प्रसाद कुशवाहा की मृत्यु के बाद सीमा कुशवाहा को 16 जून 2017 को अनुकंपा नियुक्ति दी गई थी। नियुक्ति के समय 5 मई 2017 को प्रस्तुत शपथपत्र में परिवार के किसी सदस्य के शासकीय अथवा अर्धशासकीय सेवा में नहीं होने की घोषणा की गई थी। वहीं, उपलब्ध अभिलेखों में परिवार के सदस्यों की शासकीय सेवा से संबंधित जानकारी दर्ज मिली। जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश में इस मामले को छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 14 जून 2013 के पत्र और तत्समय प्रभावशील संशोधनों के प्रावधानों से संबंधित बताया है। साथ ही,छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3(1) के तहत भी प्रकरण का परीक्षण किया गया है।

अंबिकापुर में रहेगा निलंबन अवधि का मुख्यालय : प्रकरण की गंभीरता और निष्पक्ष विभागीय जांच सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण,नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में सीमा कुशवाहा का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय,अंबिकापुर निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। उनके विरुद्ध नियम 14 के तहत नियमित विभागीय जांच की जाएगी। इसके लिए पृथक आरोप-पत्र जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निलंबन अंतरिम प्रशासनिक कार्रवाई है।

सीतापुर ज्वेलर्स से एक करोड़ के जेवर चोरी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

ओडिशा के जाजपुर से पकड़ा गया आरोपी,अब तक 46 लाख के सोने-चांदी के जेवर बरामद...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
सीतापुर में ज्वेलर्स दुकान संचालक की स्कूटी से करीब एक करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर से भरा बैग उठाकर फरार होने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। साइबर सेल और सीतापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने जाजपुर जिले से शंकर प्रधान उर्फ बिन्नू (30) को पकड़ा। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर संगठित तरीके से उठाईगिरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। मामले में अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार 26 जुलाई 2026 को कांशी विश्वनाथ ज्वेलर्स के संचालक अरुणदेव सोनी ने सीतापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 11.30 बजे वह स्कूटी से ज्वेलर्स का बैग लेकर हाईस्कूल सीतापुर के पास स्थित दुकान पहुंचे थे। स्कूटी में बैग रखकर दुकान का शटर खोलने के दौरान अज्ञात व्यक्ति स्कूटी के सामने रखा जेवर से भरा बैग उठाकर फरार हो गया था। बैग में करीब एक करोड़ रुपए के सोने-चांदी के आभूषण बताए गए थे। मामले में

सीतापुर थाने में अपराध धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में साइबर सेल और सीतापुर पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

पहले बरामद हुए थे 46 लाख के जेवर : पुलिस टीम ने जांच के दौरान एक आरोपी के घर से करीब 300.92 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए थे, जिनकी कीमत करीब 43 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा करीब 1 किलो 168 ग्राम चांदी के आभूषण, जिसकी कीमत करीब 3 लाख रुपए है, भी बरामद किए गए। इस तरह पुलिस ने अब तक करीब 46 लाख रुपए के जेवर बरामद किए हैं। मामले में आरोपी दास नागेश्वर को पहले गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

जाजपुर में दबिश देकर पकड़ा : अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी दौरान टीम ने ओडिशा के जाजपुर जिले में कार्रवाई कर शंकर प्रधान उर्फ बिन्नू को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम शंकर प्रधान,पिता स्व. काली प्रधान,उम्र 30 वर्ष,निवासी पुरबोकोट, थाना कोरई, जिला जाजपुर, ओडिशा बताया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने घटना के दिन अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर संगठित तरीके से उठाईगिरी करना स्वीकार किया। इसके बाद प्रकरण में बीएनएस की धारा 111(2) और 3(5) भी जोड़ी गई है। पुलिस के मुताबिक घटना में शामिल अन्य आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

कार्रवाई में उप निरीक्षक रघुनाथ राम भगत, साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान,आरक्षक मनीष सिंह तथा सीतापुर थाने से प्रधान आरक्षक अखिलेश्वर भगत,आरक्षक मनोहर पैकरा और धनकेश्वर यादव की भूमिका रही।

दशम अग्र अलंकरण समारोह में शिक्षा,चिकित्सा,समाजसेवा, कला-संस्कृति,खेल और व्यवसाय क्षेत्र की विभूतियां सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा अग्रवाल सभा अंबिकापुर एवं सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के आतिथ्य में आयोजित दो दिवसीय अग्र महाकुंभ 2026 का रविवार को समापन हुआ। दूसरे दिन सामाजिक चिंतन, स्वास्थ्य जागरूकता, पारिवारिक संस्कार,संगठनात्मक विमर्श और प्रतिभाओं के सम्मान पर केंद्रित विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। युवा एवं महिला सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम,परिवारोत्सव, कवि सम्मेलन और अग्र मंथन भी हुआ।

महाकुंभ के दूसरे दिन का प्रमुख आकर्षण छत्तीसगढ़ स्तरीय दशम अग्र अलंकरण समारोह 2026 रहा। इसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली 18 प्रतिभाओं को अग्र अलंकरण प्रदान किया गया। इसके अलावा तीन विशिष्ट सम्मान भी दिए गए। अलंकरण समारोह में शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा,समाजसेवा,व्यवसाय,उद्यमिता, खेल तथा कला-संस्कृति के क्षेत्र में

उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। आयोजकों के अनुसार, समारोह का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को सार्वजनिक मंच पर पहचान देना और नई पीढ़ी को बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करना है।

समाज और संगठन की आगामी दिशा पर चर्चा : द्वितीय दिवस के विशेष खुले सत्र में बदलते सामाजिक परिवेश में अग्रवाल समाज की भूमिका, संगठन की आगामी दिशा,सामाजिक सरोकार और नई पीढ़ी की सहभागिता पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने सामाजिक गतिविधियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और युवाओं को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया। अनुभव और युवा ऊर्जा के समन्वय को समाज के भविष्य के लिए जरूरी बताया गया। सत्र का संचालन राजेंद्र अग्रवाल 'राजू' और संयोजक कन्हैया लाल अग्रवाल ने किया।

डॉक्टर टॉक शो में स्वास्थ्य पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी : महाकुंभ में आयोजित डॉक्टर टॉक शो भी आकर्षण का केंद्र रहा। डॉ. बीबी अग्रवाल ने बाल स्वास्थ्य, डॉ. अनिमेष चौधरी ने एडल्ट वैक्सीनेशन एवं आधुनिक स्वास्थ्य जागरूकता, डॉ. निर्मेश सिंघानिया ने डायबिटीज, थायराइड व मोटापा तथा रक्त विशेषज्ञ डॉ. विकास गोयल ने रक्त संबंधी विषयों पर जानकारी दी। आईवीएफ केंद्र प्रमुख डॉ. ए. सुरेश ने निःसंतानता उपचार की आधुनिक तकनीकों और डॉ. विकास के. अग्रवाल ने कैंसर की समय पर पहचान व उपचार के बारे में बताया। इस दौरान डॉ. विकास गर्ग पत्थलगांव का सम्मान भी किया गया। सत्र का समन्वय दीक्षा अग्रवाल ने किया।

ये प्रमुख लोग रहे मौजूद : अग्र महाकुंभ के संरक्षक एवं पर्यटन व संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल,सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज,छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल,अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक सियाराम अग्रवाल,राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल,राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक बूवानीवाला,प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल,संभागीय अध्यक्ष पवन अग्रवाल, महामंत्री सुनील अग्रवाल,अग्रवाल सभा अध्यक्ष संजय मित्तल,कार्यक्रम संयोजक सुभाष गोयल सहित राष्ट्रीय,प्रांतीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नीट व जेईई की तैयारी कर रहे सरगुजा के 57 विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुई ऑनलाइन पीटीएम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि नीट एवं जेईई प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी हेतु जिले के चयनित 57 मेधावी विद्यार्थी रायपुर में प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में 26 मई 2026 से आवासीय कोचिंग कर रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले के इन प्रतिभावान विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति तथा टेस्ट परीक्षा के प्राप्तांकों की गहन समीक्षा हेतु एक विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठक का ऑनलाईन वीसी के माध्यम से आयोजन किया गया। जिला ग्रंथालय अंबिकापुर में आयोजित इस कार्यक्रम में एलेन कोचिंग इंस्टीट्यूट, रायपुर के विषय विशेषज्ञों एवं शिक्षकों ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विद्यार्थियों के पालकों से सीधी चर्चा की। बैठक के दौरान एलेन कोचिंग रायपुर के अनुभवी शिक्षकों ने प्रत्येक विद्यार्थी के हालिया टेस्ट स्कोर,विषयवार प्रदर्शन, मजबूत पक्षों तथा सुधार योग्य क्षेत्रों पर उनके पालकों से अलग-अलग व्यक्तिगत संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक नियमितता,स्टडी शेड्यूल एवं आगामी परीक्षाओं की रणनीति पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस दौरान कठिन विषयों जैसे भौतिकी एवं रसायन के विषय विशेषज्ञों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी संवाद करके इसे रूचिकर बनाने तथा कठिनाइयों के समाधान के लिए अतिरिक्त डाउट कक्षाएं आयोजित करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा,प्राचार्य श्री बी.एल.अग्रवाल,एपीसी श्री संतोष कुमार साहू एवं नीट जेईई प्रभारी अधिकारी श्री सिरीश कुमार नंदे तथा नोडल अधिकारी श्री संजीव कुमार सिंह,तकनीकी एक्सपर्ट श्री विशाल वर्मा उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पालकों को निरंतर संबल प्रदान करने हेतु प्रेरित किया।

CMYK

कृषि कार्यालय में छत का हिस्सा गिरा,जर्जर भवन में रोज जोखिम उठा रहे कर्मचारी-किसान

बारिश में टपकती है छत...दीवारों में दरार और लगातार गिर रहा प्लास्टर...हादसे के बाद भी सुरक्षित भवन में शिफ्टिंग नहीं

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्ट्रेट परिसर स्थित उपसंचालक कृषि कार्यालय का जर्जर भवन अब कर्मचारियों और किसानों की सुरक्षा के लिए खतरा बनता जा रहा है। सोमवार को तकनीकी शाखा के कमरे की छत का बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। उस समय कमरे में 5-6 कर्मचारी काम कर रहे थे। संयोग से मलबा किसी के ऊपर नहीं गिरा और बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद कर्मचारियों में भवन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। कर्मचारियों के मुताबिक कार्यालय भवन काफी पुराना हो चुका है। बारिश के दौरान कई कमरों की छत से पानी टपकता है। दीवारों में जगह-जगह दरारें हैं और छत व दीवारों से प्लास्टर गिरना आम हो गया है। सोमवार को तकनीकी शाखा के कमरे में छत का बड़ा हिस्सा गिरने से भवन की जर्जर स्थिति एक बार फिर सामने आ गई। कर्मचारियों ने बताया कि कुछ दिन पहले भी कार्यालय के एक कक्ष में छत का प्लास्टर गिर चुका है। इसके बाद सोमवार को दोबारा छत का हिस्सा गिरने से कर्मचारियों में डर का माहौल है। उनका कहना है कि भवन की स्थिति लगातार खराब हो रही है,लेकिन इसके बावजूद यहां नियमित रूप से कार्यालयीन कामकाज जारी है।

किसानों की भी रहती है आवाजाही

कृषि विभाग का कार्यालय होने के कारण यहां रोजाना बड़ी संख्या में किसान और अन्य लोग विभिन्न कार्यों से पहुंचते हैं। ऐसे में जर्जर छत और कमजोर दीवारों के बीच कर्मचारियों के साथ कार्यालय आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बारिश के दौरान भवन की स्थिति और खराब होने की बात कर्मचारी बता रहे हैं।

सुरक्षित भवन में शिफ्टिंग की मांग

कर्मचारियों ने जर्जर भवन की मरम्मत कराने या कार्यालय को किसी सुरक्षित भवन में स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका कहना है कि सोमवार की घटना के बाद यदि समय रहते सुरक्षा संबंधी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

मेहंदी, रंगोली एवं स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता में महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

संतुलित आहार,मातृ-शिशु स्वास्थ्य और कुपोषण से बचाव के प्रति किया गया जागरूक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के ग्राम लहपटरा में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो, अंबिकापुर एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सरगुजा के संयुक्त सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर पोषण, संतुलित आहार, स्वच्छता, मातृ-शिशु स्वास्थ्य तथा कुपोषण से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिताओं के जरिए दिया पोषण और स्वास्थ्य का संदेश : कार्यक्रम में मेहंदी,रंगोली एवं स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिलाओं एवं बच्चों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रंगोली एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़े संदेशों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों के उचित पोषण, नियमित स्वास्थ्य देखभाल और बेहतर विकास के महत्व को रेखांकित किया गया।

संतुलित आहार और मातृ-शिशु स्वास्थ्य की दी जानकारी :

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की एबीपी फेलो ने स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित प्रमुख संकेतकों की जानकारी देते हुए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बच्चों के समुचित विकास तथा कुपोषण की रोकथाम के लिए परिवार स्तर पर अपनाए जाने वाली आवश्यक आदतों की जानकारी दी।

कुसमी पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 4 भैंसों को क्रूरता पूर्वक तरीके से झारखंड बूचड़खाने ले जा रहे 2 तस्कर गिरफ्तार,एक फरार

-संवाददाता-
कुसमी,21 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के थाना कुसमी पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से 04 नग भैंसों को सुरक्षित बचा लिया है। रात 3 बजे ग्रामीणों की मदद से पकड़े गए आरोपी, जानकारी के अनुसार, दिनांक 20 सितंबर 2026 की देर रात लगभग 03:00 बजे प्रार्थी नानकचंद राम भगत को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति कुसमी-जशपुर मार्ग से 04 भैंसों को डंडों से क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए अवैध रूप से झारखंड की ओर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रार्थी और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल तस्करों का पीछा किया। ग्राम लवकशपुर और भवानीपुर के मध्य लावा नदी के पास ग्रामीणों ने घेराबंदी कर तस्करों को रोक लिया। पूछताछ के दौरान दो आरोपियों ने अपनी पहचान अशोक उर्फ अकबर (निवासी बहेरना, थाना आसता, जिला जशपुर) और राजदीप (निवासी खम्हली, थाना आसता, जिला जशपुर) के रूप में दी। वहीं उनका एक अन्य साथी अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया।

बूचड़खाने ले जाने की मंशा, धारा-4, 6, 10 के तहत मामला दर्ज : तस्करों से की गई पूछताछ में यह बात सामने आई कि वे मवेशियों को क्रूरतापूर्वक पीटते हुए झारखंड स्थित बूचड़खाने ले जा रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कुसमी में अपराध क्रमांक 83/2026, धारा 4, 6, 10 छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने मौके से पकड़े गए दोनों आरोपियों (अशोक उर्फ अकबर और राजदीप) को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहाँ से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। बचाई गई सभी 04 भैंसों को सुरक्षित ग्राम भवानीपुर में रखा गया है।

एनएच-130 पर तीन वाहनों की भिड़ंत,चार घंटे जाम

सड़क किनारे खराब खड़े सरिया लोड ट्रेलर से टकराए दो भारी वाहन,एक चालक घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

बिलासपुर-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130 पर तारा और जटगा चौकी के बीच सडक़ किनारे खराब खड़ा सरिया लोड ट्रेलर तीन वाहनों की भिड़ंत का कारण बन गया। पीछे से आए भारी वाहन ने पहले खराब ट्रेलर को टक्कर मारी। इसके कुछ देर बाद पीछे से आया तीसरा वाहन भी दोनों वाहनों से जा भिड़ा। हादसे में एक चालक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मार्ग पर करीब चार घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब सात बजे सरिया लोड ट्रेलर खराब होने के कारण सडक़ किनारे खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आया भारी वाहन उससे टकरा गया। टक्कर के बाद दोनों वाहन सडक़ पर ही फंस गए। कुछ देर बाद पीछे से आया तीसरा वाहन भी इन दोनों से जा भिड़ा। हादसे में तीनों वाहनों को नुकसान पहुंचा। घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद एनएच-130 पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। भारी वाहनों के साथ चारपहिया वाहन और यात्री बसें भी जाम में फंस गईं। कई बसों में सवार यात्री घंटों तक जाम खुलने का इंतजार करते रहे। सडक़ के दोनों हिस्सों में करीब एक-एक किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर सूरजपुर जिले की तारा चौकी और कोरबा जिले की जटगा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सडक़ से हटवाने का काम शुरू कराया। वाहनों को हटाने के बाद करीब डेढ़ बजे मार्ग पर यातायात बहाल हो सका। इस दौरान बिलासपुर-अंबिकापुर मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नौकरी लगाने के नाम पर 3.55 लाख की ठगी, फर्जी SECL अधिकारी बनकर दिया नियुक्ति पत्र

खड़गवां पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार,दो अन्य की भूमिका की भी जांव,फोन-पे और नगद के जरिए रकम लेने का आरोप

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

एसईसीएल में नौकरी लगाने का झांसा देकर 3 लाख 55 हजार रुपये की कथित ठगी के मामले में चौकी खड़गवां पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने खुद को एसईसीएल अधिकारी बताकर नौकरी दिलाने का भरोसा दिया और इसके एवज में रकम लेने के बाद फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया। पुलिस के मुताबिक ग्राम खड़गवां माझापारा निवासी ललित राम ने चौकी खड़गवां में शिकायत दर्ज कराई थी,शिकायत में आरोप लगाया गया कि निलेश पाल और उसके दो अन्य साथियों ने फर्जी एसईसीएल अधिकारी बनकर एसईसीएल में नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया, इसके बाद नौकरी के नाम पर उनसे कुल 3 लाख 55 हजार रुपये लिए गए। रकम लेने के बाद कथित तौर पर फर्जी नियुक्ति पत्र दिया गया,जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ,शिकायत के आधार पर चौकी खड़गवां में अपराध क्रमांक 281/2026,धारा 318(4),338 एवं 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र से आरोपी तक पहुंची पुलिस-मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक

सूरजपुर योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने आरोपियों की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए,इसके बाद चौकी खड़गवां पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ तकनीकी संसाधनों की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की,विवेचना के दौरान पुलिस को मिली सूचना के आधार पर दबिश देकर निलेश पाल पिता स्व. पिन्टू पाल, उम्र 38 वर्ष, निवासी सरभोका, चौकी घाट के नीचे नागपुर,थाना पोड़ी,जिला एमसीबी को पकड़ा गया, पुलिस के अनुसार पूछताछ में निलेश पाल ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर नौकरी लगाने के नाम पर रकम लेने की बात स्वीकार की। पुलिस का कहना है कि रकम का कुछ हिस्सा फोन-पे के माध्यम से और कुछ नगद लिया गया था।

फर्जी नियुक्ति पत्र देकर भरोसा जीतने का आरोप-मामले में ठगी का तरीका भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है, शिकायत के अनुसार पहले एसईसीएल में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया गया और स्वयं को संबंधित विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ित से रकम ली गई। इसके बाद उसे विश्वास में रखने के लिए कथित रूप से नियुक्ति पत्र भी दिया गया, ऐसे मामलों में फर्जी नियुक्ति पत्र के जरिए बेरोजगार युवाओं को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की जाती है कि उनकी नौकरी वास्तव में लग गई है,इस मामले में पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि कथित नियुक्ति पत्र किसने तैयार किया और उसमें इस्तेमाल दस्तावेज या पहचान किस आधार पर बनाई गई थी, हालांकि इन दस्तावेजों की वास्तविकता और उनके निर्माण से जुड़े अन्य पहलुओं की पुष्टि विवेचना के दौरान होगी।

दो अन्य साथियों की भूमिका भी जांच के दायरे में-पुलिस की कार्रवाई फिलहाल एक आरोपी की गिरफ्तारी तक पहुंची है,शिकायत में निलेश पाल के साथ दो अन्य लोगों के नाम/भूमिका का उल्लेख है। पुलिस के अनुसार मामले में इन दोनों की भूमिका की भी जांच की जा रही है,जांच का एक अहम पहलू यह भी होगा कि पीड़ित से ली गई पूरी रकम कहां गई,किसके खाते में कितनी राशि पहुंची और नगद भुगतान किसे किया गया। फोन-पे लेनदेन तथा अन्य वित्तीय साक्ष्यों से पुलिस को मामले की कड़ियां जोड़ने में मदद मिल सकती है।

बेरोजगार युवाओं को बनाया निशाना?-नौकरी के नाम पर ठगी के मामलों में बेरोजगार युवाओं को सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में नौकरी दिलाने का लालच दिया जाता है,एसईसीएल जैसी कंपनी में नौकरी की चाह रखने वाले अभ्यर्थियों से मोटी रकम मांगे जाने के बाद फर्जी दस्तावेजों के जरिए उन्हें विश्वास में लेने की कोशिश की जाती है,इस मामले में भी शिकायत के अनुसार नौकरी के बदले 3.55 लाख रुपये लिए गए,पुलिस की जांच अब इस बात पर केंद्रित रहेगी कि क्या यह केवल एक व्यक्ति से जुड़ा मामला है या आरोपियों ने इसी तरीके से अन्य लोगों को भी निशाना बनाया है।

पुलिस टीम की कार्रवाई-

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को मामले में विधिवत गिरफ्तार किया है और प्रकरण की आगे की विवेचना जारी है,कार्रवाई में चौकी प्रभारी खड़गवां मनोज सिंह एवं उनकी टीम की सक्रिय भूमिका रही,पुलिस के अनुसार मामले में उपलब्ध वित्तीय लेनदेन, कथित नियुक्ति पत्र और आरोपियों से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है,दो अन्य आरोपियों की भूमिका और पूरे नेटवर्क के संबंध में आगे की कार्रवाई विवेचना के परिणाम के आधार पर की जाएगी।

आरटीआई के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण

जन सूचना अधिकारियों के कार्य-दायित्व,समय-सीमा और अपील प्रक्रिया की दी गई जानकारी

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सूचना का अधिकार अधिनियम,2005 के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों की बेहतर समझ विकसित कराने के उद्देश्य से विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, कलेक्टर कोरिया के दिशा-निर्देशन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर में आयोजित प्रशिक्षण में सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य स्तरीय प्रशिक्षक सुशील तिवारी,शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय,मनेन्द्रगढ़ तथा जिला मास्टर ट्रेनर्स मारुति शर्मा, जिला परियोजना अधिकारी,साक्षरता कोरिया, धर्मेंद्र सिंह,व्याख्याता एवं कार्तिकेय शर्मा ने विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को ऑनबोर्डिंग एवं प्रशिक्षण से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए,इस दौरान राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी गई, प्रशिक्षण में जन सूचना अधिकारी के कार्य एवं दायित्व, प्रथम अपीलीय अधिकारी की भूमिका, आरटीआई आवेदन के निराकरण की निर्धारित समय-सीमा तथा प्रथम अपील सहित अपील की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया,प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर्स को आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना तथा अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार,प्रभावी और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना रहा, कार्यक्रम में विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के रूप में सोनहत विकासखंड से वीरेंद्र कुमार मिश्रा एवं श्री रविकांत मिश्रा तथा बैकुंठपुर विकासखंड से महेश शिवहरे एवं चेतनारायण कश्यप उपस्थित रहे, प्रशिक्षण के माध्यम से विकासखंड स्तर पर आरटीआई अधिनियम के संबंध में अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और अधिनियम के प्रावधानों के बेहतर अनुपालन की दिशा में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

बलरामपुर में ई-चालान व्यवस्था लागू...यातायात नियम तोड़ा तो मौके पर कटेगा ऑनलाइन चालान

-संवाददाता-
बलरामपुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर पुलिस ने की पारदर्शिता लाने और कैशलेस व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सभी थानों/चौकियों में शुरू की गई डिजिटल चालानी प्रणाली। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशों का पालन करते हुए बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में ई-चालान प्रणाली को पूर्ण रूप से लागू कर दिया गया है। अब जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मौके पर ही ऑनलाइन चालानी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारियों तथा संबंधित अधिकारियों की ई-चालान आईडी तैयार कर ली गई है। उच्च अधिकारियों

ने सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि भविष्य में यातायात नियमों के उल्लंघन पर तुरंत ऑनलाइन कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस नई व्यवस्था की जानकारी देते हुए यातायात प्रभारी एवं रक्षित निरीक्षक विमलेश कुमार देवांगन ने बताया कि ई-चालान प्रणाली से चालानी कार्रवाई में न केवल पारदर्शिता आएगी, बल्कि प्रक्रिया भी त्वरित होगी।

जंगल में बैल का वध कर मांस बांटने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार,भेजे गए जेल

-संवाददाता-
बलरामपुर,21 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले की विजयनगर चौकी पुलिस ने जंगल में गौ-वंश (बैल) का वध कर उसका मांस आपस में बांटने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मांस के टुकड़े, पूंछ और शरीर के अन्य अवशेष भी बरामद किए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,गत 3 सितंबर 2026 को विजयनगर पुलिस को ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि ग्राम लावा के जंगल में

संदिग्ध अवशेष देखे गए हैं और ग्रामीणों ने गौ-हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही पुलिस और पशु चिकित्सकों की संयुक्त टीम ने लावा के जंगल में सघन तलाशी अभियान चलाया। मौके पर जांच के दौरान जंगल की जमीन पर खून के धब्बे और हड्डियां बिखरी मिलीं,जिससे घटना की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ कर संदिग्धों की पहचान शुरू की। संदेह के आधार पर पुलिस और पशु चिकित्सकों की टीम ने गवाहों की मौजूदगी में दो संदिग्धों के ठिकानों पर दबिश देकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने एक परिचित से 700 में एक बैल खरीदा था। इसके बाद अन्य साथियों के साथ मिलकर लावा के जंगल में उसका वध कर दिया और मांस को आपस में बांट लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर उनके घरों से बैल के मांस के टुकड़े, पूंछ और अन्य भाग जब्त किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम: दयाशंकर मुरूम (31 वर्ष), हरवान चरगट (42 वर्ष), रामाशंकर पल्हे (41 वर्ष), अनिमेश केरकेट्टा (22 वर्ष), मार्शेल एक्का (25 वर्ष), रामसाय मुरूम (45 वर्ष) (सभी निवासी: ग्राम लावा, चौकी विजयनगर, थाना रामानुजगंज)

विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज : थाना रामानुजगंज में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 158/2026 के अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, 238,3(5), छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 10 तथा पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से अदालत के आदेश पर उन्हें जिला जेल रामानुजगंज भेज दिया गया है। मामले में आगे की विवेचना जारी है तथा घटना में शामिल अन्य संभावित आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

CMYK

फीता काटकर छोड़ दिया या पर्यटन को सच में दौड़ाया?

लोकार्पण के बाद पहिए चले या सिर्फ कैमरा? पर्यटक वाहन को लेकर कोरिया जन सहयोग समिति ने मांगा पूरा हिसाब

वाहन लोकार्पित हुआ था या सिर्फ लोकार्पण निभाया गया था? खरीद से लेकर वर्तमान ठिकाने तक जांच की मांग...

फीता कटा,फोटो खिंची... फिर कहां गया पर्यटक वाहन?

पांच साल पुराना सवाल फिर सामने... कहां है वह पर्यटक वाहन? कोरिया जन सहयोग समिति ने पीसीसीएफ और वन विभाग के सचिव को सौंपा ज्ञापन

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में 2022 के लोकार्पित वाहन पर सवाल,खरीद, RC,संचालन,ईंधन और आय-व्यय की जांच की मांग,10 दिन का अल्टीमेटम

राजन पाण्डेय

-बैकुंठपुर/रायपुर,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में वर्ष 2022 में हुए एक हाईप्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान लोकार्पित किए गए कथित पर्यटक वाहन को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं,कोरिया जन सहयोग समिति ने दावा किया है कि कार्यक्रम के दौरान जिस वाहन को पर्यटन गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनता को समर्पित किए जाने की बात सामने आई थी,वह वर्तमान में कहां है,इसकी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसी मामले को लेकर समिति ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक रायपुर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है।समिति ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि जून 2022 में आयोजित कार्यक्रम में तत्कालीन मुख्यमंत्री, गृह मंत्री,प्रभारी सचिव,जिला प्रशासन तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में वाहन का लोकार्पण किया गया था,समिति का सवाल है कि यदि वाहन वास्तव में सरकारी योजना के तहत खरीदा गया था और पर्यटन के लिए उपलब्ध कराया गया था,तो लोकार्पण के बाद उसका संचालन कहां हुआ,उसका रिकॉर्ड किसके पास है और वर्तमान में वाहन की वास्तविक स्थिति क्या है।

खरीदी हुई या केवल कार्यक्रम के लिए किराये पर?

ज्ञापन में समिति ने वन विभाग से यह भी स्पष्ट करने की मांग की है कि संबंधित वाहन वास्तव में विभाग द्वारा खरीदा गया था अथवा कार्यक्रम के दौरान केवल प्रदर्शन या लोकार्पण के लिए किराये पर लाया गया था, यदि वाहन खरीदा गया था तो उसकी कुल लागत कितनी थी,किस योजना या बजट मद से राशि खर्च की गई और किस एजेंसी से वाहन खरीदा गया...इन सभी बिंदुओं की जानकारी मांगी गई है, समिति ने यह भी सवाल उठाया है कि यदि वाहन की खरीद की गई थी तो उसकी निविदा प्रक्रिया क्या थी और क्या नियमानुसार टेंडर या अन्य निर्धारित प्रक्रिया अपनाई गई थी,समिति के मुताबिक इन सवालों का जवाब संबंधित खरीद फाइल और भुगतान अभिलेखों से स्पष्ट हो सकता है।

आरसी, चेसिस नंबर और इंजन नंबर की भी मांगी जानकारी

समिति ने वाहन के पंजीयन को लेकर भी सवाल उठाया है, ज्ञापन में वाहन का आरसी, चेसिस नंबर,इंजन नंबर और पंजीयन किसके नाम पर है,इसकी जानकारी मांगी गई है, इसके साथ ही वाहन की विभागीय संपत्ति के रूप में स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि,बीमा, फिटनेस तथा प्रदूषण प्रमाण पत्र की स्थिति भी स्पष्ट करने की मांग की गई है, समिति का तर्क है कि किसी सरकारी वाहन की वास्तविक स्थिति की पुष्टि केवल मौखिक जानकारी से नहीं,बल्कि उसके पंजीयन और विभागीय अभिलेखों से की जा सकती है। ऐसे में इन दस्तावेजों की जांच को मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लोकार्पण के बाद वाहन का रिकॉर्ड कहां?-समिति के अनुसार पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जिस वाहन को सार्वजनिक रूप से लोकार्पित किया गया, उसके बाद उसके उपयोग और संचालन से संबंधित जानकारी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है,समिति ने वन विभाग से वाहन की खरीद,पंजीयन,बीमा,संचालन,ईंधन,चालक, रखरखाव तथा राजस्व से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की है,समिति का कहना है कि यदि वाहन सरकारी राशि से खरीदा गया था तो उसकी खरीद से संबंधित प्रत्येक दस्तावेज विभागीय रिकॉर्ड में होना चाहिए। वहीं यदि वाहन किराये पर लिया गया था तो उसके लिए स्वीकृति,भुगतान,अनुबंध और निविदा अथवा निर्धारित प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध होने चाहिए,इन दस्तावेजों की जांच से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि लोकार्पित वाहन वास्तव में किस उद्देश्य और किस प्रक्रिया के तहत कार्यक्रम में लाया गया था।

ईको विकास समिति को मिला था वाहन या नहीं?-ज्ञापन में ईको विकास समिति की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाया गया है,समिति ने पूछा है कि यदि वाहन का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देना और ग्रामीणों के लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना था,तो क्या वाहन को संबंधित ईको विकास समिति को विधिवत सुपुर्द किया गया था,इसके लिए समिति ने सुपुर्दगी पत्र, बैठक की कार्यवाही,वाहन संचालन संबंधी आदेश तथा संबंधित समिति के अभिलेखों की जांच की मांग की है, सरकारी स्तर पर भी गुरु घासीदास-तमोर पिंगला क्षेत्र में ईको-टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए गाइड,पर्यटक वाहन और अन्य पर्यटन गतिविधियों में रोजगार सृजन की बात कही गई है।

पर्यटकों से हुई आय और खर्च का भी हिसाब मांगा-समिति ने जून 2022 से अब तक यदि संबंधित वाहन का उपयोग पर्यटकों के लिए किया गया है तो उससे प्राप्त आय का पूरा हिसाब सामने लाने की मांग की है,ज्ञापन में पूछा गया है कि पर्यटकों से प्राप्त राशि किस बैंक खाते में जमा की गई, उसकी रसीदें कहां हैं और उस राशि का उपयोग किस मद में किया गया,इसी तरह चालक के मानदेय या वेतन,ईंधन, मरम्मत,सर्विसिंग तथा अन्य संचालन खर्च का

भी विवरण मांगा गया है। समिति का कहना है कि वाहन के वास्तविक संचालन की पुष्टि उसके लॉगबुक,ईंधन पर्चियों,भुगतान वाउचर और बैंक रिकॉर्ड से की जा सकती है।

भौतिक सत्यापन की मांग-मामले में समिति ने वाहन के भौतिक सत्यापन की मांग को भी प्रमुखता से उठाया है, समिति का सवाल है कि यदि वाहन विभागीय दस्तावेजों में मौजूद है तो वर्तमान में वह किस स्थान पर खड़ा है और किसके कब्जे अथवा नियंत्रण में है, समिति ने मांग की है कि वाहन की मौके पर जांच कर उसके चेसिस और इंजन नंबर का मिलान विभागीय दस्तावेजों से कराया जाए, इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि लोकार्पण के दौरान दिखाया गया वाहन और वर्तमान में उपलब्ध वाहन एक ही है या नहीं।

अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग-ज्ञापन में समिति ने पूरे मामले की जांच के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की है,समिति ने कहा है कि यदि जांच में रिकॉर्ड में किसी प्रकार की गड़बड़ी,वित्तीय अनियमितता अथवा सरकारी संपत्ति के संचालन में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए,हालांकि, समिति द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। इसलिए मामले में वन विभाग और संबंधित अधिकारियों का पक्ष तथा मूल विभागीय दस्तावेज जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

10 दिन का अल्टीमेटम,न्यायालय जाने की बात-कोरिया जन सहयोग समिति ने ज्ञापन में मांग की है कि पूरे मामले की जांच के लिए स्वतंत्र उच्चस्तरीय समिति गठित की जाए, समिति ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान,लॉगबुक, स्टॉक रजिस्टर,खरीद अथवा किराया संबंधी फाइल,निविदा दस्तावेज,भुगतान अभिलेख तथा ईको विकास समिति के बैंक खातों की जांच कराने की मांग की है,समिति ने शासन और वन विभाग को 10 दिनों का समय देते हुए कहा है कि इस अवधि में यदि निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच शुरू नहीं की गई तो वह जनहित के मुद्दे को लेकर उच्च न्यायालय की शरण लेने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

समिति पदाधिकारियों ने कहा-रिकॉर्ड सामने आना जरूरी-समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र रजवाड़े, कार्यकारी अध्यक्ष एवं अधिवक्ता जय चंद सोनपाकर,उपाध्यक्ष राजू साहू,कानूनी सलाहकार अधिवक्ता रज़ा अली अंसारी तथा अधिवक्ता संजय साहू ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि सरकारी संसाधनों और सार्वजनिक धन से जुड़े मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है,पदाधिकारियों का कहना है कि यदि वाहन नियमानुसार खरीदा गया,विधिवत दर्ज हुआ और उसका उपयोग पर्यटन के लिए किया गया है तो विभाग को इससे संबंधित सभी दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, अब पूरे मामले में वन विभाग और शासन की ओर से क्या जवाब सामने आता है और वर्ष 2022 में लोकार्पित बताए जा रहे इस पर्यटक वाहन की वर्तमान स्थिति क्या है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। समिति की 10 दिन की समय-सीमा के बाद मामले की अगली कार्रवाई पर भी क्षेत्र की नजर रहेगी।

पोड़ी-बचरा के गणेश पंडालों में पहुंचे अशोक जायसवाल,विधिवत पूजा-अर्चना कर मांगा क्षेत्र की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

गणेश उत्सव में अलग-अलग समितियों के आयोजन में हुए शामिल,बिशुनपुर जूनापारा में जगराता और केनापारा में ग्रुप डांस प्रतियोगिता में भी की शिरकत

-संवाददाता-

कोरिया/पोड़ी-बचरा,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर पोड़ी-बचरा क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रही,क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सार्वजनिक गणेश पूजा समितियों द्वारा गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर पूजा-अर्चना,जगराता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, इन आयोजनों में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल भी शामिल हुए और विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

अशोक जायसवाल ने छुरी, बैमा,गणेशपुर, इंदरपुर,तोलगा,केनापारा तथा बिशुनपुर जूनापारा सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर गणेश उत्सव में अपनी सहभागिता दर्ज कराई,उन्होंने गणेश प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना करते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि,शांति एवं खुशहाली की कामना की, विभिन्न पंडालों में पहुंचने पर आयोजन समितियों एवं स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया,गणेश चतुर्थी के अवसर पर पोड़ी-बचरा

क्षेत्र में धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां भी देखने को मिलीं, कहीं भजन-जगराता का आयोजन हुआ तो कहीं युवाओं और बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा।

जगराता कार्यक्रम में हुए शामिल-अशोक जायसवाल बिशुनपुर जूनापारा में आयोजित जगराता कार्यक्रम में भी शामिल हुए, देर रात तक चले धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे,उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों और उपस्थित श्रद्धालुओं से मुलाकात कर गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं, उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करते हैं,धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां होने से क्षेत्र में आपसी भाईचारा और सामुदायिक सहभागिता मजबूत होती है।

ग्रुप डांस प्रतियोगिता में भी पहुंचे-इसी क्रम में केनापारा में आयोजित ग्रुप डांस प्रतियोगिता में भी अशोक जायसवाल शामिल हुए,प्रतियोगिता में स्थानीय प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं,कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली,उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर आयोजित होने वाले ऐसे कार्यक्रम प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं,धार्मिक उत्सवों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन क्षेत्र की लोक संस्कृति और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बन सकता है।

धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी-अशोक जायसवाल क्षेत्र में धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में अपनी सहभागिता के लिए जाने जाते हैं, गणेश उत्सव के दौरान विभिन्न पंडालों में पहुंचकर उन्होंने आयोजन समितियों से मुलाकात की और व्यवस्थाओं की जानकारी ली,गणेश उत्सव जैसे सार्वजनिक आयोजनों में स्थानीय लोगों की बड़ी भागीदारी रहती है,ऐसे अवसरों पर जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी आयोजन में शामिल लोगों के लिए उत्साह का विषय बनती है, इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनसे बातचीत की,हाल ही में गणेश उत्सव के अवसर पर अशोक जायसवाल के क्षेत्र के अलग-अलग गणेश पंडालों में पहुंचने की जानकारी भी प्रकाशित हुई है,जिसमें विभिन्न स्थानों पर पूजा-अर्चना और आयोजन समितियों से मुलाकात का उल्लेख है।

आयोजन समितियों से की मुलाकात

गणेश पंडालों के भ्रमण के दौरान अशोक जायसवाल ने आयोजन समितियों के सदस्यों से मुलाकात की,उन्होंने गणेश उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सार्वजनिक आयोजनों में स्थानीय लोगों की सहभागिता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है, उन्होंने क्षेत्रवासियों से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ धार्मिक पर्व मनाने की अपील भी की।

बड़ी संख्या में श्रद्धालु रहे मौजूद

गणेश चतुर्थी के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे, पूजा-अर्चना के साथ जगराता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया, इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नरेश जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कलावती मरकाम, जनपद सदस्य गणेश राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे, पूरे क्षेत्र में गणेश उत्सव को लेकर उत्साह का माहौल रहा और विभिन्न समितियों द्वारा अपने-अपने स्तर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

CMYK

अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारियों ने भरी हुंकार

अक्टूबर में जिला मुख्यालय पर विशाल रैली का ऐलान

पूर्णकालिक करने, कलेक्टर दर पर वेतन और 50% वेतन वृद्धि की मांग

सोनहत | 20 सितंबर 2026

अंशकालिक सफाई कर्मचारियों का ऐलान...

अक्टूबर में जिला मुख्यालय पर होगा शक्ति प्रदर्शन

सफाई कर्मचारी अब आर-पार के मूड में,अक्टूबर में जिला मुख्यालय पर विशाल रैली...

सालों की सेवा,फिर भी अंशकालिक! सफाई कर्मचारियों ने अक्टूबर में रैली का किया ऐलान...

मानदेय से नहीं चल रहा परिवार, पूर्णकालिक दर्जे के लिए सफाई कर्मचारियों ने कसी कमर...

स्कूलों की सफाई करने वाले कर्मचारियों ने उठाई आवाज,अक्टूबर में जिला मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन

सफाई कर्मचारियों की हुंकार-पूर्णकालिक करो, कलेक्टर दर पर वेतन दो...

सोनहत से उठी आवाज,अक्टूबर में जिला मुख्यालय पर जुटेंगे अंशकालिक सफाई कर्मचारी

-रवि सिंह-

सोनहत/कोरिया,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरकारी स्कूलों में वर्षों से सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर आंदोलन की तैयारी तेज हो गई है, अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी कल्याण संघ,ब्लॉक सोनहत की रविवार को मिनी स्टेडियम सोनहत में महत्वपूर्ण बैठक हुई,बैठक में विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में कार्यरत बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और अपनी सेवा शर्तों,मानदेय तथा भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में कर्मचारियों ने साफ किया कि अब मांगों को केवल ज्ञापन और बैठकों तक सीमित नहीं रखा जाएगा। संगठन ने अक्टूबर माह में जिला मुख्यालय पर विशाल रैली आयोजित करने का निर्णय लिया है। रैली के बाद मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अंशकालिक कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने, कलेक्टर दर पर वेतन देने तथा वेतन वृद्धि संबंधी लंबित मांगों पर निर्णय लेने की मांग की जाएगी, यह मांग ऐसे समय में फिर सामने आई है,जब प्रदेश स्तर पर भी अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी अपनी सेवा शर्तों और मानदेय को लेकर आंदोलन करते रहे हैं,अगस्त 2026 में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार कर्मचारी संगठनों ने पूर्णकालिक करने और कलेक्टर दर पर वेतन सहित मांगों को लेकर शासन को सितंबर अंत तक कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया था।

सालों से स्कूलों में सेवा,लेकिन दर्जा अब भी अंशकालिक-बैठक में कर्मचारियों ने अपनी सबसे प्रमुख मांग अंशकालिक सेवा को पूर्णकालिक किए जाने की रखी,उनका कहना है कि वे लंबे समय से सरकारी स्कूलों में सफाई व्यवस्था से जुड़े दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं,स्कूलों की स्वच्छता बनाए रखने के साथ कई जगहों पर विद्यालय की दैनिक व्यवस्थाओं में भी उन्हें सहयोग करना पड़ता है, कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों की सेवा के बावजूद उनकी सेवा स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है,वे चाहते हैं कि उनके कार्य और सेवा अवधि को ध्यान में रखते हुए उन्हें पूर्णकालिक कर्मचारी का दर्जा दिया जाए तथा वेतन का निर्धारण कलेक्टर दर के आधार पर किया जाए,यह मुद्दा केवल सोनहत तक सीमित नहीं है,प्रदेश के अलग-अलग जिलों में स्कूल सफाई कर्मचारी संगठन समय-समय पर पूर्णकालिक नियुक्ति,कलेक्टर दर पर भुगतान और अन्य सेवा संबंधी मांगों को लेकर आंदोलन करते रहे हैं,2025 में भी कर्मचारियों ने विभिन्न स्तरों पर रैली और ज्ञापन के जरिए इन्हीं मांगों को उठाया था।

कम मानदेय में परिवार चलाने की चुनौती-बैठक में कर्मचारियों ने महंगाई के बीच कम मानदेय को लेकर भी अपनी परेशानी रखी, उनका कहना है कि घरेलू जरूरतों,बच्चों की शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजमर्रा के खर्च में लगातार वृद्धि हो रही है,जबकि उनके पारिश्रमिक में उस अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हुई है, कर्मचारियों का कहना है कि सीमित मानदेय में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है,इसी कारण वे सरकार से ऐसी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, जिसमें उनके कार्य के अनुरूप सम्मानजनक भुगतान सुनिश्चित हो सके,प्रदेश में न्यूनतम वेतन और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की दरें समय-समय पर संशोधित होती हैं,उदाहरण के तौर पर छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिला प्रशासन ने 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 तक प्रभावी दैनिक वेतन एवं परिवर्तनशील महंगाई भत्ते की संशोधित दरों का आदेश जारी किया है, हालांकि, सोनहत के कर्मचारियों की मांग सीधे तौर पर कलेक्टर दर पर वेतन और पूर्णकालिक सेवा से जुड़ी है, इसलिए उनका कहना है कि सरकार को उनकी सेवा प्रकृति और जिम्मेदारियों को ध्यान में रखकर स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए।

अक्टूबर में जिला मुख्यालय पर जुटेंगे कर्मचारी-बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय आगामी आंदोलन को लेकर रहा, कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से तय किया कि अक्टूबर में जिला मुख्यालय पर विशाल रैली आयोजित की जाएगी,रैली में सोनहत के अलावा जिले के अन्य विकासखंडों में कार्यरत अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारियों को भी शामिल करने की तैयारी की जाएगी,संगठन का उद्देश्य अधिक से अधिक कर्मचारियों को एक मंच पर लाकर अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाना है,रैली के बाद मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की योजना है। ज्ञापन में मुख्य रूप से तीन प्रमुख मुद्दे रखे जाएंगे- पहला-अंशकालिक कर्मचारियों को पूर्णकालिक किया जाए,दूसरा-कलेक्टर दर के अनुसार वेतन का भुगतान किया जाए,तीसरा-वेतन में 50 प्रतिशत वृद्धि से संबंधित मांग/वादे पर निर्णय लिया जाए,कर्मचारियों का कहना है कि आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा।

सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं है कर्मचारियों की भूमिका-बैठक में कर्मचारियों ने अपने काम की प्रकृति को लेकर भी चर्चा की,उनका कहना है कि स्कूल में स्वच्छ वातावरण बनाए रखना विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और विद्यालय के समग्र वातावरण से सीधे जुड़ा हुआ है,उनके अनुसार स्कूल खुलने से पहले परिसर और आवश्यक स्थानों की सफाई,विद्यालय परिसर को स्वच्छ रखना तथा कई जगहों पर विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग जैसे काम भी उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा बन जाते हैं,कर्मचारियों का तर्क है कि जब स्कूल व्यवस्था में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है तो सेवा की स्थिति और भुगतान की व्यवस्था भी उसी अनुरूप होनी चाहिए, वहीं,प्रदेश में पूर्व में कर्मचारी संगठनों ने यह भी आरोप लगाया है कि कई स्कूलों में भृत्य या अन्य सहायक कर्मचारियों की कमी के कारण सफाई कर्मचारियों से निर्धारित काम से अधिक जिम्मेदारियां ली जाती हैं,यह कर्मचारी संगठनों का दावा है और स्थानीय स्तर पर इसकी वास्तविक स्थिति स्कूलवार अलग हो सकती है।

संगठन ने कहा...मांग व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक है-बैठक में कर्मचारी नेताओं ने कहा कि आंदोलन किसी एक कर्मचारी के वेतन या व्यक्तिगत सुविधा का मामला नहीं है, यह उन सभी कर्मचारियों की सेवा शर्तों से जुड़ा विषय है जो लंबे समय से अंशकालिक व्यवस्था के तहत स्कूलों में काम कर रहे हैं, कर्मचारियों ने कहा कि यदि उनकी सेवा को पूर्णकालिक किया जाता है और कलेक्टर दर पर वेतन मिलता है तो इससे उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी,साथ ही लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों को अपनी सेवा के भविष्य को लेकर अधिक स्पष्टता मिलेगी, संगठन ने कर्मचारियों से अपील की कि वे आपसी मतभेद से ऊपर उठकर सामूहिक रूप से अपनी मांगों को शासन के सामने रखें।

बैठक में पदाधिकारियों ने ली समस्याओं की जानकारी-बैठक में संगठन के जिला अध्यक्ष लाल सिंह पोर्ते और जिला सचिव बिनेश कुमार किंडो विशेष रूप से मौजूद रहे,पदाधिकारियों ने कर्मचारियों से उनकी समस्याओं और स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली परेशानियों की जानकारी ली,बैठक में सेवा शर्तों,मानदेय,काम की प्रकृति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई,पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन कर्मचारियों की मांगों को जिला स्तर से शासन तक पहुंचाने के लिए चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा,इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद,ब्लॉक सचिव संतोष सोनवानी,सम्पत लाल खैरै,धर्मपाल, श्रीकुमार,किशोर कुमार,संत कुमार,विभीषण सिंह, पतिराम सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

अब ज्ञापन से आगे रैली की तैयारी-बैठक का माहौल इस बात का संकेत देता है कि कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर अब जिला स्तर पर दबाव बनाने की तैयारी में हैं,हालांकि अक्टूबर की रैली की तारीख और विस्तृत कार्यक्रम बाद में संगठन द्वारा तय किया जाना है,रैली के जरिए कर्मचारी अपनी मांगों को प्रशासन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाएंगे। इसके बाद शासन की ओर से क्या जवाब आता है,यह आंदोलन की अगली दिशा तय कर सकता है, प्रदेश में इस वर्ग की मांगें पहले भी कई बार आंदोलन का रूप ले चुकी हैं। 2026 में भी अलग-अलग स्तरों पर ज्ञापन और आंदोलन की खबरें सामने आई हैं। मई 2026 में बालोद में कर्मचारियों ने अतिरिक्त कार्य के भुगतान और निर्धारित कार्य अवधि जैसे मुद्दे उठाए थे।

सरकार के सामने अब तीन प्रमुख सवाल- सोनहत की बैठक के बाद कर्मचारियों की मांगों का केंद्र तीन मुद्दों पर आ गया है-पूर्णकालिक सेवा, कलेक्टर दर पर वेतन और 50 प्रतिशत वेतन वृद्धि, कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से स्कूलों में काम कर रहे हैं और अब उन्हें अपनी सेवा के भविष्य को लेकर स्पष्ट निर्णय चाहिए,अक्टूबर की प्रस्तावित रैली इसी मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर उनकी सामूहिक आवाज बनने की तैयारी है, अब देखना यह होगा कि रैली से पहले या रैली के बाद शासन की ओर से इन मांगों पर कोई औपचारिक निर्णय,वार्ता या नई पहल सामने आती है या नहीं, फिलहाल सोनहत से उठी यह आवाज अक्टूबर में जिला मुख्यालय तक पहुंचाने की तैयारी में है, अंशकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी अब केवल मानदेय बढ़ाने की मांग नहीं कर रहे, बल्कि अपनी सेवा की प्रकृति बदलने और कलेक्टर दर पर वेतन के साथ भविष्य को अधिक सुरक्षित करने की मांग को आंदोलन का मुख्य आधार बना चुके हैं।

50 प्रतिशत वेतन वृद्धि के वादे का भी उठाया मुद्दा

बैठक में कर्मचारियों ने चुनाव पूर्व किए गए 50 प्रतिशत वेतन वृद्धि के कथित वादे को भी प्रमुखता से उठाया,कर्मचारी नेताओं का कहना है कि विधानसभा चुनाव से पहले उनकी मांगों को लेकर आश्वासन दिया गया था और वेतन वृद्धि का मुद्दा घोषणा पत्र में शामिल किए जाने की बात कही गई थी,कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वे इस वादे के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं,संगठन ने मांग की है कि यदि वेतन वृद्धि का प्रावधान या आश्वासन किया गया था तो उसकी वर्तमान स्थिति स्पष्ट की जाए और लंबित मांग पर निर्णय लिया जाए,इस मुद्दे पर पूर्व में भी कर्मचारी संगठनों द्वारा सरकार के समक्ष मांग रखी जाती रही है,उपलब्ध सार्वजनिक रिपोर्टों में भी 50 प्रतिशत वेतन वृद्धि और कलेक्टर दर पर भुगतान की मांग को कर्मचारी आंदोलन के प्रमुख मुद्दों में बताया गया है,हालांकि,किसी घोषणा या घोषणा-पत्र में किए गए वादे की वर्तमान प्रशासनिक स्थिति का अंतिम निर्धारण संबंधित सरकारी आदेशों और बजट/विभागीय रिकॉर्ड से ही होगा, बैठक में कर्मचारियों ने अपनी ओर से इस मांग को फिर प्रमुखता से उठाया है।

बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश

जिला जेल बैकुण्ठपुर के तिमाही निरीक्षण में विधिक सहायता,भोजन,स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं का लिया जायजा

-संवाददाता-

कोरिया,21 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जेल में निरुद्ध व्यक्ति भी अपने मौलिक अधिकारों और मानवीय गरिमा के हकदार हैं, उनके अधिकारों की सुरक्षा,सम्मानजनक व्यवहार और जरूरतमंद बंदियों तक समय पर विधिक सहायता पहुंचाना व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है,इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सोमवार को जिला जेल बैकुण्ठपुर का तिमाही निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण दल ने जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ बंदियों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली,इस दौरान विधिक सहायता,भोजन की गुणवत्ता,बैरकों की स्थिति,साफ-सफाई, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई, निरीक्षण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बैकुण्ठपुर योगेश पारीक,पुलिस अधीक्षक हरिश राठौर और अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य के नेतृत्व में किया गया, निरीक्षण दल में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतीक्षा अग्रवाल,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अमृता दिनेश मिश्रा, डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड के सदस्य तथा संबंधित अधिकारी शामिल रहे।

बंदियों से सीधे संवाद,समस्याओं की ली जानकारी

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे बातचीत की, उनसे जेल में उपलब्ध सुविधाओं,दैनिक व्यवस्थाओं और किसी प्रकार की समस्या के संबंध में जानकारी ली गई,अधिकारियों ने यह भी जाना कि बंदियों को आवश्यकता के अनुसार विधिक सहायता मिल रही है या नहीं,विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि कोई भी पात्र और जरूरतमंद बंदी विधिक सहायता से वंचित न रहे,निरीक्षण दल ने बंदियों के बैरकों का भी जायजा लिया,साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति देखी गई तथा जेल परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई।

भोजन की गुणवत्ता भी जांची

जेल में बंदियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की व्यवस्था भी निरीक्षण के दौरान जांची गई, अधिकारियों ने भोजन की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली, जेल जैसी संस्थाओं में भोजन, स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं को लेकर नियमित निगरानी की आवश्यकता को देखते हुए निरीक्षण दल ने संबंधित व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

लीगल एड क्लिनिक की भी समीक्षा-जिला जेल में संचालित लीगल एड क्लिनिक का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और बंदियों को दी जा रही विधिक सहायता की स्थिति की समीक्षा की गई, अधिकारियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जिन बंदियों को कानूनी सहायता की आवश्यकता है, उन्हें समय पर सहायता उपलब्ध हो,किसी व्यक्ति की सामाजिक या जातिगत पहचान उसके विधिक अधिकारों और न्याय तक पहुंच में बाधा नहीं बननी चाहिए, निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक शेख आविद रजा,लीगल एड डिफेंस कौंसिल के डिप्टी चीफ के.बी. नामदेव तथा पैरालीगल वॉलिंटियर्स भी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन पर जोर-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि यह तिमाही निरीक्षण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण,नई दिल्ली के निर्देशों तथा सुप्रीम कोर्ट के संबंधित निर्देशों के अनुपालन में किया जाता है,सुप्रीम कोर्ट के Sukanya Shantha v. Union of India मामले में जेलों के भीतर जाति आधारित भेदभाव सहित विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं, न्यायालय ने जेल व्यवस्था में भेदभाव समाप्त करने और बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा पर जोर दिया है, इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड द्वारा जिला जेल बैकुण्ठपुर का प्रत्येक तिमाही निरीक्षण किया जा रहा है।

जातिगत भेदभाव की स्थिति की भी पड़ताल-निरीक्षण का एक महत्वपूर्ण पहलू जेल में बंदियों के साथ किसी भी प्रकार के जातिगत अथवा अन्य भेदभाव की संभावना की पड़ताल करना रहा, अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के साथ बंदियों से बातचीत कर उनकी स्थिति समझी,निरीक्षण के दौरान उपलब्ध जानकारी के अनुसार जातिगत अथवा अन्य किसी प्रकार के भेदभाव की स्थिति सामने नहीं आई,अधिकारियों ने कहा कि जेल में निरुद्ध होना किसी व्यक्ति को उसके मानवीय अधिकारों से वंचित नहीं करता। कानून के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को न्याय और आवश्यक विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है।

जेल भी समाज का हिस्सा,सम्मान जरूरी-निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि जेल भी समाज का ही एक हिस्सा है,किसी व्यक्ति के विरुद्ध मामला लंबित होना या उसका जेल में निरुद्ध होना उसके मानवीय सम्मान को समाप्त नहीं करता, उन्होंने कहा कि बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी देना,जरूरतमंदों तक विधिक सहायता पहुंचाना और जेल में मानवीय एवं गरिमापूर्ण वातावरण बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है,प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश पारीक ने इसी भावना पर जोर देते हुए कहा कि बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना व्यवस्था की सामूहिक जिम्मेदारी है,निरीक्षण का उद्देश्य केवल कमियों की तलाश करना नहीं,बल्कि जेल में उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित करना भी है कि बंदियों को कानून के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं और विधिक सहायता मिलती रहे।

नियमित निरीक्षण से जवाबदेही की व्यवस्था-तिमाही निरीक्षण की व्यवस्था जेल प्रशासन और विधिक सेवा संस्थाओं के बीच समन्वय का महत्वपूर्ण माध्यम है,इससे जेल की व्यवस्थाओं का समय-समय पर प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया जा सकता है और बंदियों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिलता है,बैकुण्ठपुर जेल के निरीक्षण के दौरान विधिक सहायता से लेकर भोजन, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं तक विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया गया,साथ ही बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया गया, इस निरीक्षण के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि न्याय की पहुंच केवल अदालत तक सीमित नहीं है, बल्कि जेल में निरुद्ध प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक विधिक सहायता और उसके अधिकारों की जानकारी पहुंचाना भी न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

द पैराडाइज का रास्ता हुआ साफ, नानी की फिल्म को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी,मिला ए सर्टिफिकेट

तेलुगु स्टार नानी इन दिनों अपनी अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर द पैराडाइज को लेकर चर्चा में हैं। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी ये फिल्म रिलीज के लिए तैयार है और सेंसर बोर्ड की ओर से भी फिल्म को हरी झंडी मिल गई है।तेलुगु स्टार नानी की अपकमिंग फिल्म द पैराडाइज इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी ये फिल्म इसी हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। मेकर्स ने पहले ही टीजर और गानों के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। फिल्म अपनी कहानी के साथ-साथ नानी के अनोखे लुक और किरदार की वजह से भी दर्शको के बीच चर्चा में बनी हुई है और रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच माहौल बनाना शुरू कर दिया है। ये फिल्म जल्दी ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और सेंसर बोर्ड की तरफ से भी फिल्म का रास्ता साफ हो गया है।

सीबीएफसी से मिला सर्टिफिकेट

द पैराडाइज को रिलीज से 3 दिन पहले सीबीएफसी से हरी झंडी मिल गई है। सेंसर बोर्ड ने नानी की फिल्म को ए सर्टिफिकेट दिया है। यानी सिनेमाघरों में नानी की ये फिल्म सिर्फ वयस्क दर्शक ही देख सकेंगे। वहीं फिल्म की लंबाई की बात करें तो ये 2 घंटे 49 मिनट लंबी होगी। बता दें,नानी की ये फिल्म पहले दो बार पोस्टपोन हो चुकी है और अब जाकर ये 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक बार फिर फिल्म के पोस्टपोन होने की अफवाहें चल पड़ी थीं, जिसके बाद मेकर्स ने एक पोस्टर जारी करते हुए साफ कर दिया कि ये फिल्म तय डेट पर यानी 24 सितंबर को ही रिलीज होगी।

नानी के सवाल

हाल ही में नानी अपनी फिल्म द पैराडाइज के एक प्रमोशनल इवेंट के चलते चेन्नई पहुंचे, जहां उन्होंने सवाल उठाया कि साउथ फिल्मों को ही पैन इंडिया क्यों कहा जाता है। उन्होंने कहा- जब किसी हिंदी फिल्म को साउथ में भी जबरदस्त सफल होती है, हम उसे हिंदी फ्लिम ही कहते हैं। लेकिन जैसे ही कोई साउथ इंडियन फिल्म पूरे देश में सफल होती है, तो उसे पैन-इंडिया फिल्म कहा जाता है। मैं अपनी फइल्मों को पैन-इंडिया का लेबल नहीं देना चाहता। नानी का मानना है कि पैन-इंडिया का टैग हिंदी और साउथ की फिल्मों में अनजाने में एक फर्क सा पैदा कर देता है।

द पैराडाइज की कास्ट

फिल्म की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है,दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें नेचुरल स्टार नानी, राघव जुयाल (विलेन), सोनाली कुलकर्णी और कायदू लोहार जैसे चर्चित कलाकारों का नाम शामिल है। बता दें की यह सभी सितारे मुंबई में होने वाले एक बड़े प्री-रिलीज प्रमोशनल इवेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। इन सितारों के साथ आने से यह तय है कि फिल्म की रिली के इर्द-गिर्द बना माहौल गर्माने वाला है।

16 साल की उम्र में अजय देवगन के बेटे युग ने बनाई शानदार बॉडी,जिम में पसीना बहाते दिखे स्टारकिड

अजय देवगन ने बेटे युग देवगन का जिम वीडियो शेयर किया, जिसमें 16 वर्षीय युग वेटेड पुल-अप्स करते और अपनी फिटनेस दिखाते नजर आए। वीडियो में पिता-बेटे की खास बॉन्डिंग भी देखने को मिली। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन के बेटे युग देवगन 16 साल के हो चुके हैं और इस उम्र में ही फिटनेस को लेकर उनकी दिलचस्पी साफ नजर आने लगी है। अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बेटे का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें युग जिम में जमकर वर्कआउट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में युग का फिट और मस्कुलर अंदाज देखने को मिला,वहीं बेटे को मेहनत करते देखकर अजय भी कैमरे के पीछे से इस खास पल को रिकॉर्ड करते नजर आए।

जिम में हैवी वर्कआउट करते दिखे युग

अजय देवगन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर युग के वर्कआउट सेशन की एक झलक साझा की। वीडियो में युग जिम में वेटेड पुल-अप्स करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने शर्ट नहीं पहनी हुई थी और उनकी पीठ की मसल्स साफ नजर आ रही थीं। युग ने कमर पर ब्लैक वेटलिफ्टिंग बेल्ट बांध रखा था, जिससे एक भारी वजन प्लेट चेन की मदद से जुड़ी हुई थी। युग इस एक्सरसाइज को पूरी एकाग्रता के साथ करते नजर आए। उन्होंने डार्क एथलेटिक शॉर्ट्स पहन रखे थे और बिना जूतों के ही वर्कआउट कर रहे थे। वीडियो पर बड़े सफेद अक्षरों में 'संडे' की जगह 'सोंडे' लिखा गया था, जो पिता-पुत्र के इस जिम मोमेंट को खास अंदाज में दिखा रहा था। वीडियो में लगे शीशे के रिफ्लेक्शन से यह भी पता चलता है कि अजय खुद अपने बेटे का वर्कआउट रिकॉर्ड कर रहे थे।

बेटे की फिटनेस देखकर खुश हैं अजय

अजय देवगन का यह पोस्ट सिर्फ एक सामान्य जिम वीडियो नहीं था,बल्कि इसमें पिता और बेटे के बीच की बॉन्डिंग भी देखने को मिली। कैमरे के पीछे खड़े अजय जिस तरह युग के वर्कआउट को रिकॉर्ड कर रहे थे, उससे साफ था कि वह बेटे की फिटनेस जर्नी को लेकर काफी दिलचस्पी रखते हैं। युग की फिटनेस की यह झलक ऐसे समय सामने आई है, जब कुछ दिन पहले ही अजय और काजोल ने अपने बेटे का 16वां जन्मदिन मनाया था। दोनों ने सोशल मीडिया के जरिए युग को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं।

जन्मदिन पर अजय ने शेयर की थी अनदेखी तस्वीर

युग के जन्मदिन पर अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर बेटे के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की थी। यह तस्वीर उनके फैंस के लिए भी खास थी,क्योंकि इसमें दोनों साथ नजर आ रहे थे। तस्वीर के साथ अजय ने बेटे के लिए एक प्यारा सा संदेश लिखा था। अजय ने मजाकिया अंदाज में युग को अपना 'फेवरेट छोटा शरारती' बताते हुए कहा था कि वह अब उतना छोटा नहीं रहा। अभिनेता का यह पोस्ट पिता और बेटे के बीच की खास बॉन्डिंग को दिखाता है।

अजय और काजोल के दो बच्चे

अजय देवगन और काजोल ने साल 1999 में शादी की थी। दोनों की शादी को कई साल हो चुके हैं और उनके दो बच्चे हैं, बेटी न्यासा और बेटा युग। न्यासा भी अक्सर अपने माता-पिता के साथ सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि युग आमतौर पर लाइमलाइट से दूर रहते हैं। हालांकि अजय समय-समय पर सोशल मीडिया पर अपने बच्चों से जुड़े खास पल फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। युग का यह जिम वीडियो भी उसी सिलसिले की एक झलक है। कुछ दिनों पहले अजय देवगन के साथ वो एक मंदिर में स्पॉट किए गए थे।

'दृश्यम: द कन्क्लूजन' को लेकर चर्चा में अजय

वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय देवगन इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' की अगली और अंतिम फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। 'दृश्यम : द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है। इस फिल्म में अजय एक बार फिर विजय सालगांवकर के किरदार में दिखाई देंगे। उनके साथ तब्बू,श्रिया सरन,मृणाल जाधव और रजत कपूर जैसे कलाकार नजर आएंगे। वहीं प्रकाश राज और जयदीप अहलावत फिल्म की नई कास्ट का हिस्सा हैं। ऐसे में एक तरफ अजय अपनी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, तो दूसरी तरफ उनके बेटे युग का जिम वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा बटोर रहा है।

शक की रिलीज से पहले परिणीति का हौसला बढ़ा रहे राघव चड्डा

राजनेता राघव चड्ढा ने अपनी पत्नी परिणीति चोपड़ा को उनके ओटीटी डेब्यू शक के लिए अपना सपोर्ट दिया। राघव ने उस समय को याद किया जब वह शिमला में शूटिंग देखने गए थे और टीम से मिले थे। उन्होंने कहा कि परिणीति ने इस ड्रामा पर काम करते हुए बहुत अच्छा समय बिताया और उन्होंने टीम के अच्छे व्यवहार और टैलेंट की तारीफ़ की। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शक का हाल ही में रिलीज़ हुआ ट्रेलर पोस्ट करते हुए राघव ने लिखा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है मुझे पता है कि तुमने शक के लिए कितनी मेहनत की है, खासकर ऐसे समय में जो हमारे लिए पहले से ही बहुत खास था। शिमला में शूटिंग के दौरान कुछ समय बिताने के बाद,मुझे इसके पीछे की टीम का अच्छा व्यवहार और टैलेंट देखने को मिला। बहुत टैलेंटेड लोग हैं,और साफ़ है कि तुम्हें उनके साथ काम करने में बहुत मज़ा आया। उन्होंने आगे कहा, तुम्हें और पूरी शक टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। मुझे लगता है कि यह लोगों को सस्पेंस में रखेगी। 24 सितंबर को सबके इसे देखने का बेसब्री से इंतज़ार है। राघव की पोस्ट पर परिणीति का रिएक्शन बहुत प्यारा था। अपने केयरिंग पति से मिले सपोर्ट के लिए आभार जताते हुए,चमकीला एक्ट्रेस ने कमेंट किया,यह बहुत प्यारा है! थैंक्स रागाई। लोगों को पता चलना चाहिए कि इस दौरान तुम कितने बड़े सपोर्ट और केयरिंग पति रहे हो। ट्रेलर के अनुसार,शक एक ऐसी माँ की कहानी है जो नौ साल से अपने लापता बच्चे को ढूंढ रही है। रेंसिल डीसिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा बनाई गई और रेंसिल डी%सिल्वा द्वारा निर्देशित यह सीरीज़ भरोसा, शक और धोखे जैसे विषयों को दिखाती है। इस ड्रामा में मुख्य भूमिका निभा रहीं परिणीति चोपड़ा ने कहा,शक मैंने पहले जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। इसके केंद्र में एक माँ की भावना और हार न मानने का जज़्बा है, लेकिन कहानी और भी गहरी हो जाती है जब उसकी खोज उसके आस-पास के लोगों के बारे में उसकी सोच को चुनौती देने लगती है। खुद एक माँ होने के नाते, मुझे इस कहानी का इमोशनल पहलू बहुत निजी लगा।

खेल-समाचार

चेन्नई सुपर किंग्स का बड़ा ऐलान,आईपीएल 2027 के लिए जहीर खान हेड कोच नियुक्त

नई दिल्ली,21 सितम्बर 2026। जहीर खान को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2027 के लिए जहीर खान को अपनी टीम का हेड कोच नियुक्त किया है।

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल 2027 का आयोजन अगले साल होना है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके ने बड़ा ऐलान किया है। सीएसके ने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान को अपना हेड कोच नियुक्त किया है। जहीर खान की कोशिश अगले साल होने वाले आईपीएल में चेन्नई को छठा खिताब जिताने की होगी। बता दें,जहीर खान को आईपीएल में कोचिंग का अपार अनुभव है और वह हाल ही में कनाडा में वैंकूवर एंकर्स टीम से जुड़े थे।

जहीर कई टीमों को दे चुके हैं कोचिंग

साल 2017 में आईपीएल से बतौर खिलाड़ी संन्यास लेने के बाद जहीर खान ने अलग-अलग भूमिकाओं में काम किया है। अपने आईपीएल करियर में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु,मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रहे। इसके बाद 2019 आईपीएल से पहले उन्हें मुंबई इंडियंस ने डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशंस बनाया था। बाद में उन्होंने टीम के ग्लोबल डेवलपमेंट प्रमुख की भूमिका भी संभाली। जहीर हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ भी

जुड़े थे। उन्हें आईपीएल 2025 के लिए टीम का मेंटर बनाया गया था,लेकिन अगले सीजन से पहले उन्होंने फ्रेंचाइजी से अलग होने का फैसला किया। जहीर सीएसके में अब स्टीफन फ्लेमिंग की जगह लेंगे,जिन्होंने 2009 से 2026 तक करीब 18 साल चेन्नई की कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली। फ्लेमिंग ने पिछले सालों में चेन्नई सुपर किंग्स की सफलता में अहम भूमिका निभाई थी। अब फ्रेंचाइजी के साथ उनका लंबा जुड़ाव खत्म हो गया है। वह इंग्लैंड क्रिकेट टीम के साथ नई जिम्मेदारी संभाल चुके हैं और जुलाई में उन्हें इंग्लैंड मेन्स टेस्ट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया था।

जहीर ने सीएसके से जुड़ने पर जताया आभार

जहीर खान के लिए सीएसके के कोच बनने की जिम्मेदारी उनके कोचिंग करियर में एक बड़ा पड़ाव है। बतौर खिलाड़ी जहीर खान ने आईपीएल में 100 मुकाबले खेले और 27.27 की औसत से 102 विकेट हासिल किए। भारत के लिए उनका इंटरनेशनल करियर भी शानदार रहा। तीनों फॉर्मेट में उन्होंने कुल 610 विकेट अपने नाम किए।सीएसके से जुड़ने के बाद जहीर ने कहा कि इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने चेन्नई के खिलाफ मुकाबलों का खूब आनंद लिया है। जहीर ने चेपॉक में सुपरफैंस द्वारा बनाए जाने वाले माहौल को भी खास बताया और कहा कि वह इस समृद्ध इतिहास वाली फ्रेंचाइजी की विरासत का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं।

टीम की मालकिन रूपा गुरुनाथ ने जहीर का टीम में स्वागत करते हुए कहा कि हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जहीर खान चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच होंगे। जहीर का शानदार खेल करियर और युवा टैलेंट को निखारने की उनकी काबिलियत उन्हें हमारी टीम के लिए एक अहम सदस्य बनाती है। हमें भरोसा है कि उनके मार्गदर्शन से इस फ्रैंचाइजी की नींव और मजबूत होगी।

इंग्लैंड लायंस के नए हेड कोच बने जोनाथन ट्रॉट,फ्लिंटॉफ की लेंगे जगह

ब्रिसबेन, 21 सितम्बर 2026। इंग्लैंड लायंस को नया हेड कोच मिल गया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने जोनाथन ट्रॉट को टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। इंग्लैंड क्रिकेट में जोनाथन ट्रॉट को नई जिम्मेदारी मिली है। इंग्लैंड लायंस ने उन्हें टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। ट्रॉट अब आगामी सर्दियों में वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के दौरों पर टीम की कमान संभालेंगे। वह एंड्रयू फ्लिंटॉफ की जगह लेंगे, जिन्होंने अगस्त की शुरुआत में इस पद से इस्तीफा दे दिया था। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड यानी ईसीबी ने 21 सितंबर को ट्रॉट की नियुक्ति की पुष्टि की। ट्रॉट इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ लायंस की दो टी 20 जीत में टीम की कमान संभाल चुके हैं। इन मुकाबलों के बाद उन्हें स्थायी रूप से यह जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ की जगह लेंगे जोनाथन

जोनाथन ट्रॉट ने इस साल फरवरी में टी 20 वर्ल्ड कप के बाद अफगानिस्तान के हेड कोच का पद छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने समर में अलग-अलग छोटी अवधि की जिम्मेदारियां निभाई। इस दौरान वह आयरलैंड और ग्लेमॉर्गन के साथ भी काम कर चुके हैं। अब लायंस के साथ मिली यह जिम्मेदारी उनके कोचिंग करियर के लिए अहम मानी जा रही है। एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने अगस्त में लायंस के हेड कोच पद से हटने का फैसला किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के हेड कोच बनने का करार अंतिम रूप देने के कुछ समय बाद यह पद छोड़ा था।

दूसरे दिन भारत को मिले 4 मेडल, एमएमए में सुचिका तरियाल ने रचा इतिहास

नई दिल्ली,21 सितम्बर 2026। एशियन गेम्स में 21 सितंबर का दिन भी भारतीय खिलाडियों के लिए शानदार रहा। पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल हासिल किए और कई मुकाबलों के फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे दिन भारत की झोली में 4 मेडल आए। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार का दिन भारत के लिए बहुत ही शानदार रहा। एशियन गेम्स के दूसरे दिन 4 मेडल अपने नाम करते हुए भारत के खाते में अब कुल 6 मेडल हो गए हैं। इनमें से तीन मेडल निशानेबाजी (शूटिंग) में आए, जिसमें पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में हिमांशु ढिल्लों ने सिल्वर मेडल और रुद्राक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

इसके अलावा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भी भारत के लिए एक ऐतिहासिक पल आया, जब सुचिका तरियाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वह एशियन गेम्स में इस खेल में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। भारतीय खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन से कई खेलों में देश का नाम ऊंचा हुआ है और मेडल की तालिका में भारत को बड़ी मजबूती मिली है। अब सभी की नजरें तीसरे दिन होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबलों पर टिकी हैं।

संबलपुर वॉरियर्स ने चैंपियन कटक पैंथर्स को 9 रन से हराया

कटक ,21 सितम्बर 2026। ओडिशा प्रो टी 20 लीग 2026 के रोमांचक मुकाबले में संबलपुर वॉरियर्स ने शानदार शुरुआत करते हुए मौजूदा चैंपियन कटक पैंथर्स को नौ रन से हरा दिया। बाराबती स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में संबलपुर के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।संबलपुर वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 193 रन बनाए। इसके जवाब में कटक पैंथर्स की टीम 184 रन ही बना सकी। मुकाबला आखिरी ओवर तक रोमांचक बना रहा, लेकिन संबलपुर ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम कर ली।

गौरव चौधरी की कप्तानी पारी

संबलपुर की जीत के सबसे बड़े हीरो कप्तान गौरव चौधरी रहे। उन्होंने 46 गेंदों में 88 रन की शानदार पारी खेली। उनकी

आक्रामक बल्लेबाजी में नौ चौके और छह छक्के शामिल रहे।चौधरी ने शुरुआत से ही कटक के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा और तेजी से रन जुटाए। उनकी पारी ने संबलपुर को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शांतनु मिश्रा ने भी दिया शानदार साथ

गौरव चौधरी के साथ ओपनिंग करने उतरे शांतनु मिश्रा ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 40 गेंदों में 60 रन बनाए।मिश्रा की पारी में छह चौके और दो छक्के शामिल रहे। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 136 रनों की बड़ी साझेदारी की, जिसने संबलपुर की पारी को मजबूत आधार दिया।

शानदार रही ओपनिंग साझेदारी

संबलपुर की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। टीम ने छह ओवर के पावरप्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 55 रन बना लिए थे।इसके बाद भी दोनों सलामी बल्लेबाजों ने रन गति को बनाए रखा और आधी पारी पूरी होने तक टीम का स्कोर 105 रन तक पहुंचा दिया। इस मजबूत शुरुआत ने संबलपुर को बड़े स्कोर की ओर बढ़ने में मदद की।कटक पैंथर्स को पहला विकेट 13वें ओवर में मिला। तब तक संबलपुर की ओपनिंग जोड़ी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा चुकी थी और बड़े स्कोर की नींव रख चुकी थी।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं फूलमनी कौशिक पति मुक्तेश कौशिक,उम्र 34 वर्ष, निवासी-ग्राम सौतार, तहसील - प्रतापपुर, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) । यह कि मेरा नाम फूलमनी कौशिक (Phulamani Kaushik) है तथा मेरे पति का नाम मुक्तेश कौशिक (Muktesh Kaushik) है. जो सत्य एवं सही है।

मेरे आधार कार्ड नं. 685708598239 मे मेरा नाम फूलमनी एवं मेरे पति का नाम मुकेश दर्ज है,जो त्रुटिपूर्ण है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सुधार कर मेरा सही नाम फूलमनी कौशिक (Phulamani Kaushik) एवं मेरे पति का सही नाम मुक्तेश कौशिक फूलमनी कौशिक दर्ज करावाना चाहती हूँ, जिस संबंध में स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

सपथकर्ता
फूलमनी कौशिक

इंडिया ए मैच में पडिक्कल साई सुदर्शन की होगी परीक्षा

पुडुचेरी,21 सितम्बर 2026। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मंगलवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय मुकाबले में इंडिया ए टीम के युवा बल्लेबाजों पर सभी की नजरें रहेंगी। खेले जाने वाले इस शुरुआती मैच में खासतौर पर देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन के प्रदर्शन पर ध्यान रहेगा।

नाम परिवर्तन सूचना

प्रारूप-(एक)

मैं विजय कुमार एक्का (Vijay Kumar Ekka).(पुराना नाम,जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पती बंश बहादूर राम गाँव/शहर.माझापारा!... तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ ने अपना नाम,विजय कुमार (एक्का (पुराना नाम) से बदल कर. विजय कुमार (Vijay Kumar) (नया नाम) रख लिया है।

विजय कुमार
ग्राम माइनापारा तहसील अम्बिकापुर
जिला सरगुजा छत्तीसगढ़

कांग्रेस के 74 ब्लॉक अध्यक्षों की ट्रेनिंग का दूसरा दिन....

GenZ से जुड़ने पर फोकस,सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने की सीख,फील्ड पर वर्किंग

रायपुर,21 सितम्बर 2026। कांग्रेस के 74 ब्लॉक अध्यक्षों की 3 दिवसीय ट्रेनिंग का सोमवार को दूसरा दिन है। जोरा के प्रतिष्ठा मांगलिक भवन में चल रहे शिविर में आज संगठन को जमीन पर सक्रिय रखने के साथ नई पीढ़ी यानी GenZ से जुड़ने और सोशल मीडिया पर पार्टी की मौजूदगी मजबूत करने पर फोकस किया जा रहा है। रायपुर संभाग के सभी ब्लॉक अध्यक्षों के साथ मास्टर ट्रेनर भी इसमें शामिल हैं। पहले दिन नेताओं ने पार्टी की विचारधारा,इतिहास,धर्मनिरपेक्षता और संगठन सृजन जैसे विषयों पर बात की थी। दूसरे दिन प्रशिक्षण का रुख ज्यादा व्यावहारिक कामकाज की तरफ है। ब्लॉक अध्यक्षों को यह समझाने पर जोर है कि अपने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क कैसे रखा जाए,संगठन को सक्रिय कैसे रखा जाए और बदलते दौर में युवाओं तक पार्टी की बात कैसे पहुंचाई जाए।

GenZ तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया पर फोकस : प्रशिक्षण में सोशल मीडिया को सिर्फ प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं से जुड़ने के एक अहम प्लेटफॉर्म के तौर पर इस्तेमाल करने पर जोर है। ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने और स्थानीय संगठन की गतिविधियों को वहां प्रभावी तरीके से पहुंचाने की जानकारी दी जा रही है। फोकस खास तौर पर इस बात पर है कि युवा क्या देख रहे हैं,किस तरह की भाषा और सामग्री से जुड़ रहे हैं और ब्लॉक स्तर की गतिविधियों को डिजिटल माध्यम से कैसे लोगों तक पहुंचाया जाए। पहले दिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्तमान राजनीति में धर्म और धर्मनिरपेक्षता, टीएस सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ सरकार के राजस्व और जनकल्याणकारी योजनाओं में खर्च, डॉ. शिवकुमार डहरिया ने सामाजिक समरसता, युगल पांडेय ने प्रशिक्षण की भूमिका और संगठन सृजन और अशोक चतुर्वेदी ने कांग्रेस की विचारधारा और इतिहास पर सत्र लिया था। रायपुर संभाग का यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण 22 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद प्रशिक्षण अभियान को आगे बढ़ाने की योजना है। ब्लॉक अध्यक्षों के बाद विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों और फिर मंडल-बूथ स्तर तक प्रशिक्षण ले जाने की तैयारी है। यानी कांग्रेस का फोकस सिर्फ नए पदाधिकारियों को पार्टी की विचारधारा बताने तक नहीं, बल्कि ब्लॉक से बूथ तक संगठन चलाने का एक समान तरीका तैयार करने पर है। संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश के दूसरे संभागों में भी ब्लॉक स्तर के प्रशिक्षण आयोजित हो चुके हैं।

ब्लॉक अध्यक्षों को सिर्फ बैठकें नहीं,फील्ड में काम करना है...

ट्रेनिंग का दूसरा बड़ा हिस्सा फील्ड वर्क है। ब्लॉक अध्यक्षों की जिम्मेदारी सिर्फ बैठक बुलाने या पार्टी के कार्यक्रम कराने तक सीमित नहीं रखने पर जोर दिया जा रहा है। उन्हें अपने इलाके के कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क में रहने और संगठन की गतिविधियों को नीचे तक ले जाने की भूमिका समझाई जा रही है। यानी ब्लॉक अध्यक्षों को अपने क्षेत्र में संगठन की रोजमर्रा की गतिविधियों का संचालन करने वाले पदाधिकारी के तौर पर तैयार किया जा रहा है।

अनुशासन भी प्रशिक्षण का हिस्सा

3 दिन के आवासीय शिविर में संगठन के भीतर अनुशासन को भी महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। पहले दिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रतिभागियों से पूरे प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन के साथ रहने की बात कही थी।

टाटा पावर को बिजली लाइसेंस देने के खिलाफ याचिका

पूर्व विधायक ने निजी-कंपनी को 25 साल के लिए लाइसेंस देने के प्रस्ताव पर जताई आपत्ति...

रायपुर,21 सितम्बर 2026। रायपुर जिले के चार इलाकों में टाटा पावर को बिजली वितरण का लाइसेंस देने के प्रस्ताव का कांग्रेस ने विरोध किया है। पूर्व कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय ने इसके खिलाफ न्यायालय में याचिका दायर करने की बात कही है। उनका कहना है कि रायपुर,धरसींवा,मंदिर हसौद और अभनपुर जैसे इलाकों में निजी कंपनी को समानांतर बिजली वितरण की अनुमति मिलने से सरकारी वितरण कंपनी सीएसपीडीसीएल पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है। टाटा पावर ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका क्रमांक 89/2026 के जरिए इन क्षेत्रों में 25 साल के लिए वितरण लाइसेंस मांगा है। आयोग ने इस प्रस्ताव पर आम लोगों,स्थानीय निकायों और अन्य संबंधित पक्षों से आपत्ति और सुझाव मांगे हैं। इस मामले में 1 अक्टूबर को सार्वजनिक सुनवाई भी प्रस्तावित है।

विकास उपाध्याय को आपत्ति क्या है?

उपाध्याय का कहना है कि टाटा पावर ने आवेदन में शुरुआती पांच साल में करीब 435 करोड़ रुपए निवेश कर नेटवर्क तैयार करने की बात कही है। उनका दावा है कि इतने निवेश से प्रस्तावित क्षेत्र में नए 33 और 11 केवी सब-स्टेशन और लाइनें खड़ी करना संभव नहीं होगा। उनका आरोप है कि बाद में निजी कंपनी को सीएसपीडीसीएल के मौजूदा ग्रिड का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। हालांकि यह कंपनी की ओर से दाखिल आवेदन और नियामक प्रक्रिया का हिस्सा है। उपाध्याय की ओर से लगाए गए इन आरोपों पर अंतिम फैसला नियामक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा।

मलाईदार इलाका निजी कंपनी के पास चला जाएगा : विकास उपाध्याय की सबसे बड़ी आपत्ति प्रस्तावित क्षेत्र को लेकर है। उनका कहना है कि रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद और अभनपुर में औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं की संख्या ज्यादा है, इसलिए ये सीएसपीडीसीएल के लिए ज्यादा राजस्व वाले इलाके हैं। उनका तर्क है कि अगर निजी कंपनी को इन्हीं इलाकों में वितरण का लाइसेंस मिलता है तो सरकारी कंपनी के पास कम राजस्व वाले ग्रामीण, कृषि और बीपीएल उपभोक्ता ज्यादा रह सकते हैं। इससे किसानों और गरीब उपभोक्ताओं को दी जाने वाली क्रॉस-सब्सिडी की व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका उन्होंने जताई है।

निजी कंपनी आने से बिजली महंगी होने का दावा : उपाध्याय ने निजी वितरण कंपनियों के मॉडल पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि भविष्य में व्हीलिंग चार्ज और दूसरे शुल्क के कारण उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ सकता है। उन्होंने महाराष्ट्र और ओडिशा के कुछ क्षेत्रों में निजी बिजली वितरण के अनुभवों का भी हवाला दिया है। यह फिलहाल उपाध्याय का राजनीतिक और नीतिगत तर्क है। टाटा पावर को लाइसेंस मिलने के बाद बिजली दर कितनी होंगी, यह अभी तय नहीं है।

आबकारी मेनपावर ओवरटाइम घोटाला...

पूर्व डीजीएम नवीन प्रताप सिंह तोमर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत,अंतरिम जमानत मंजूर

रायपुर,21 सितम्बर 2026। आबकारी मेनपावर ओवरटाइम घोटाला मामले में बड़ी खबर सामने आई है। मामले में आरोपी असिस्टेंट कमिश्नर आबकारी और पूर्व डीजीएम नवीन प्रताप सिंह तोमर को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत,जस्टिस जयमाला बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामले की सुनवाई की। इसी दौरान बेंच ने नवीन प्रताप सिंह तोमर को अंतरिम जमानत प्रदान की। मामले में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल और शशांक मिश्रा ने पैरवी की।

ईडी की सूचना के बाद खुला मामला : मामले की शुरुआत 29 नवंबर 2023 को हुई, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने तीन व्यक्तियों से 28.80 लाख रुपये नकद जब्त किए थे। इस संबंध में ईडी ने छत्तीसगढ़ शासन को सूचना भेजी थी, जिसके आधार पर EOW/ACB ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की।

ओवरटाइम के नाम पर करोड़ों का भुगतान : विवेचना में सामने आया कि छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड में कथित रूप से षड्यंत्र के तहत मैनपावर और प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से ओवरटाइम/अधिसमय भत्ते के नाम पर बड़े पैमाने पर भुगतान कराया गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच इस मद में करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया। नियमानुसार यह राशि शराब दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों को दी जानी थी, लेकिन व्यवहार में भुगतान एजेंसियों के जरिए किया गया।

कर्मचारियों तक नहीं पहुंची राशि : आरोप है कि एजेंसियों को भुगतान किए गए बिलों में दर्शाए गए अधिसमय भत्ते का वास्तविक भुगतान कर्मचारियों को नहीं किया गया। इसके बजाय इस राशि को कथित रूप से कमीशन के रूप में निकालकर अवैध रूप से वितरित किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि इस पूरी प्रक्रिया के जरिए शासन के आबकारी राजस्व से बड़ी रकम निकाली गई और कर्मचारियों को देने के बजाय उसे अनधिकृत लाभ के रूप में बांटा गया, जिससे राज्य को आर्थिक क्षति हुई।

महादेव बेटिंग की रकम शेयर बाजार में लगाने का आरोप

EaseMyTrip प्रमोटर निशांत पिट्टी पर ईडी की चार्जशीट,59.60 करोड़ के शेयर अटैच

रायपुर,21 सितम्बर 2026। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने EaseMyTrip के को-फाउंडर निशांत पिट्टी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। ईडी ने आरोप लगाया है कि पिट्टी ने अवैध सट्टेबाजी से मिली रकम को फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट के नाम पर भारतीय शेयर बाजार में लगाने में मदद की। ईडी ने 10 सितंबर को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करते समय प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत पिट्टी के 59.60 करोड़ रुपए के डीमैट शेयर भी प्रोविजनल तौर पर अटैच किए हैं। ईडी ने कोर्ट से इन शेयरों को जब्त करने की अनुमति मांगी है। एजेंसी ने इन्हें एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अपराध से हुई आय यानी 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' बताया है। ईडी की चार्जशीट में लगाए गए आरोपों को लेकर ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग कंपनी की ओर से जवाब का इंतजार है।

पांचवीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट में पिट्टी का नाम : अधिकारियों के मुताबिक, EaseMyTrip के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर निशांत पिट्टी के खिलाफ आरोप रायपुर की स्पेशल प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट कोर्ट में दाखिल की गई पांचवीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट में शामिल किए गए हैं। ईडी ने इस चार्जशीट में 42 लोगों और कंपनियों को आरोपी बनाया है। इनमें EBIX Group के चेयरमैन विकास गर्ग (53) भी शामिल हैं। एजेंसी ने जुलाई में दिल्ली स्थित गर्ग के घर पर छापा मारने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। गर्ग की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली BJP ने उन्हें आर्थिक प्रकोष्ठ के संयोजक पद से हटा दिया था और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी रद्द कर दी थी।

2019 से 80 हजार करोड़ रुपए की अपराध से हुई आय का आरोप : महादेव ऐप को Mahadev Online Book के नाम से भी जाना जाता है। इसे मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के फरार सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल प्रमोट करते हैं। आरोप है कि इस ऐप से 2019 से अब तक करीब 80 हजार करोड़ रुपए की अपराध से हुई आय जनरेट हुई है। दोनों के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी है। ईडी ने अप्रैल 2025 में पिट्टी के खिलाफ तलाशी ली थी और उनसे तीन बार पूछताछ की थी। इनमें दो बार इसी अगस्त में पूछताछ हुई। उस समय EaseMyTrip ने महादेव बेटिंग ऐप या किसी अन्य बेटिंग प्लेटफॉर्म से किसी भी तरह के सीधे या अप्रत्यक्ष संबंध से इनकार किया था।

ईडी का दावा...पिट्टी,हरि शंकर तिबरेवाल के करीबी सहयोगी : ईडी ने चार्जशीट में कहा है कि जांच के दौरान जुटाए गए सबूतों से पता चलता है कि पिट्टी दुबई में रहने वाले Skye&change के मालिक हरि शंकर तिबरेवाल के करीबी सहयोगी थे। Skye&change को एजेंसी ने अवैध बेटिंग प्लेटफॉर्म बताया है। अधिकारियों के मुताबिक,चार्जशीट में कहा गया है कि सबूतों से पता चला कि पिट्टी अपराध से जुटाई रकम को FPI के नाम पर भारतीय इक्विटी मार्केट में लाने में सीधे तौर पर शामिल थे। ईडी के मुताबिक, Easy Trip Planners Ltd के प्रमोटर्स की ओर से पिट्टी ने तिबरेवाल के एक सहयोगी के साथ पहले से तय शेयर कीमत में हेरफेर का सौदा किया। इसका उद्देश्य कंपनी के शेयर की कीमत और मार्केट कैपिटलाइजेशन को कृत्रिम तरीके से बढ़ाना था।

छत्तीसगढ़ में दशहरा-दीपावली और शीतकालीन छुट्टियों का ऐलान

बलौदाबाजार,21 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग ने इस साल के लिए दशहरा,दीपावली और शीतकालीन छुट्टियों का ऐलान कर दिया है। राज्य के सरकारी,अनुदान प्राप्त और निजी स्कूलों में तीनों अवसरों पर 5-5 दिन की छुट्टी रहेगी। यानी पूरे साल इन तीन छुट्टियों को मिलाकर स्कूल 15 दिन बंद रहेंगे।

दशहरा में 17 से 21 अक्टूबर तक छुट्टी

स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के मुताबिक दशहरा के मौके पर 17 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2026 तक 5 दिन का अवकाश रहेगा।

दीपावली पर 6 से 10 नवंबर तक स्कूल बंद

दीपावली के लिए 6 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक 5 दिन की छुट्टी घोषित की गई है। इस दौरान स्कूलों में पढ़ाई नहीं होगी।

दिसंबर में 5 दिन की शीतकालीन छुट्टी

साल के अंत में शीतकालीन अवकाश 24 दिसंबर से 28 दिसंबर 2026 तक रहेगा। इस तरह दिसंबर में भी विद्यार्थियों को लगातार 5 दिन की छुट्टी मिलेगी।

पिछले साल 18 दिन का था अवकाश

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दशहरा,दीपावली और शीतकालीन अवकाश 6-6 दिन का था। दशहरा पर 29 सितंबर से 4 अक्टूबर, दीपावली पर 20 से 25 अक्टूबर और शीतकालीन अवकाश 22 से 27 दिसंबर तक छुट्टी रही थी। इस हिसाब से पिछले सत्र में इन तीनों अवसरों पर कुल 18 दिन का अवकाश था,जबकि 2026 में यह घटकर 15 दिन हो गया है।

जंगल में जमीन के नीचे छिपाकर रखा नक्सली डंप बरामद

बीजापुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर एके-47 समेत और 76 जिंदा राउंड मिले...

बीजापुर,21 सितम्बर 2026। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम उतला के जंगल में पुलिस ने जमीन के अंदर छिपाकर रखा गया नक्सली डंप बरामद किया है। यह कार्रवाई आत्म समर्पित नक्सलियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। पुलिस टीम ने जंगल में तलाशी अभियान के दौरान जमीन में गाड़कर रखे गए हथियार और जिंदा राउंड बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल) अमन झा की अगुवाई में डीआरजी और भैरमगढ़ थाना की टीम को ग्राम उतला के जंगल में भेजा गया था।

पुलिस के अनुसार, बरामदगी में एक एके-47 रायफल, एक .315 बोर रायफल, एक सिंगल शॉट रायफल और एक 9 एमएम पिस्टल शामिल हैं। इसके अलावा दो एके-47 मैगजीन, 45 एके-47 जिंदा राउंड, 25 नग 9 एमएम जिंदा राउंड और .315 बोर रायफल के 6 जिंदा राउंड भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली थी सूचना

अभियान के दौरान एसडीओपी भैरमगढ़ नवीन एक्का ने जवानों को डंप के बारे में जानकारी दी। इसके बाद जवानों ने सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए जमीन में गाड़कर रखे गए डंप को बरामद किया।

एसबीआई कियोस्क में 1 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी...पुलिस ने आरोपी संचालक को किया गिरफ्तार

धमतरी,21 सितम्बर 2026। भखारा पुलिस ने बैंक खाताधारकों से धोखाधड़ी और बड़ी रकम के गबन के मामले में एसबीआई कियोस्क संचालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने लंबे समय तक कियोस्क के माध्यम से खाताधारकों के साथ वित्तीय अनियमितता की। मामले में कुल 1 करोड़ 75 हजार 717 रुपये की राशि के गबन का आरोप है। पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पांडेय के निर्देशन में वित्तीय धोखाधड़ी और अनियमितताओं के मामलों में चलाए जा रहे अभियान के तहत भखारा पुलिस को यह सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान केशव राम साहू (40 वर्ष), पिता हेमलाल साहू के रूप में हुई है, जो की बालोद जिले के देवकोट का रहने वाला है और फिलहाल रायपुर के बोरिया खुर्द स्थित अर्जुन विहार में रहता है। पुलिस के अनुसार, धमतरी स्थित NICT Technologies Pvt. Ltd कंपनी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अनुबंध के आधार पर कियोस्क यानी ग्राहक सेवा केंद्रों का संचालन कराती है। ग्राम कोरा में कियोस्क संचालन के लिए संस्था ने आरोपी केशव राम साहू को नियुक्त किया था। इस संबंध में संस्था के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जुगलकिशोर ने भखारा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

बलौदाबाजार एसपी ने कई थाना प्रभारी बदले...38 पुलिसकर्मियों का तबादला,निरीक्षक से आरक्षक तक शामिल

बलौदाबाजार,21 सितम्बर 2026। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने सोमवार को आदेश जारी कर 38 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला किया है। तबादला सूची में निरीक्षक,उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक,प्रधान आरक्षक और आरक्षक शामिल हैं। कई थाना प्रभारियों की भी नई पदस्थापना की गई है। तबादला किए गए पुलिसकर्मियों को जिले के अलग-अलग थानों, पुलिस चौकियों और शाखाओं में नई जिम्मेदारी दी गई है। एसपी ने सभी कर्मचारियों को अपनी नई पदस्थापना पर तत्काल रिपोर्ट करने के निर्देश दिए हैं।

कसडोल थाना प्रभारी बदले : तबादला सूची के अनुसार निरीक्षक अवनीश कुमार श्रीवास्तव को रक्षित केंद्र बलौदाबाजार से कसडोल थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं निरीक्षक प्रवीण मिंज को कसडोल थाने से हटाकर सिमगा यातायात शाखा प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक नरेश चंद्र दीवान को सिमगा यातायात शाखा से हटाकर कसडोल यातायात शाखा भेजा गया है।

चौकी और थानों में भी नई पदस्थापना : सहायक उप निरीक्षक संजीव सिंह राजपूत को कसडोल थाने से करहीबाजार पुलिस चौकी प्रभारी बनाया गया है। वहीं सहायक उप निरीक्षक दिनेश कुमार कुर्रे को रक्षित केंद्र बलौदाबाजार से हथबंद थाना भेजा गया है। प्रधान आरक्षक तिलक साहू को रक्षित केंद्र बलौदाबाजार से पलारी थाना और प्रधान आरक्षक सुरेंद्र वर्मा को भाटापारा शहर थाने से बया पुलिस चौकी भेजा गया है। महिला प्रधान आरक्षक मंजू साहू को निपनिया पुलिस सहायता केंद्र से हटाकर भाटापारा शहर थाना में पदस्थ किया गया है।

आरक्षकों का भी तबादला : इसके अलावा आरक्षक अजय कुमार कुर्रे, सुरेश कुमार गुप्ता, वसंत कुमार कोशिक, मनोज कुमार ब्रम्हे,दीपक कुमार ध्रुव, रूपेश चंद्रवंशी,सुमित स्वरूप मिश्रा,पूरन यादव और संतोष कुमार वर्मा समेत कई अन्य पुलिसकर्मियों का भी तबादला किया गया है। एसपी कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी तबादला किए गए अधिकारी-कर्मचारियों को बिना देरी अपनी नई पदस्थापना वाली जगह पर रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)